

# शिव आवंत्रण

साथकिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण



नृपरात्रि  
की छुट्टी खुम्हां

वर्ष-11, अंक-10, हिन्दी (मासिक), अक्टूबर 2024, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

नारी के शक्ति स्वरूप की महिमा को साकार कर रही है ब्रह्माकुमारीज़

## दिव की दक्षि है नारी..

**मिसाल:** ब्रह्माकुमारीज़ नारी

शक्ति द्वारा संचालित विश्व का

सबसे बड़ा एकमात्र संगठन

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

नारी तू नारायणी। शिव की शक्ति है नारी। नारी तू जग कल्याणी। तेरी महिमा है अपार, तू है सृष्टि का आधार। जन-जन का कल्याण करे तू शिव की शक्ति है नारी। हर नारी मां दुर्गा के समान शक्ति रूप बन सकती है, जरूरत है तो उसे अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचानकर उन्हें जागृत करने की। नारी के शक्ति स्वरूप को जगाने, वंदे मातरम् और भारत माता की गाथा को चरितार्थ करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पिछले 88 वर्षों से नारी के सर्वार्थीण विकास, उत्थान, सशक्तिकरण और सामाजिक प्रतिष्ठा को प्रतिष्ठित करने के लिए समर्पित रूप से सेवारत है। ब्रह्माकुमारीज़ विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा संगठन है जिसका संचालन नारी शक्ति करती है। वर्तमान में 50 हजार से अधिक शिव शक्तियां समर्पित रूप से विश्व कल्याण के कार्य में तन-मन-धन से जुटी हैं। इनका एक ही मकसद है- स्वर्णिम भारत की स्थापना।

### परमात्मा कर रहे शक्तियों का जागरण

नववर्ष में हम सभी नौ देवियों की उपासना, आराधना और साधना करते हैं। नौ देवियां, नौ शक्तियों का प्रतीक हैं। राजयोग मेडिटेशन और परमात्मा शक्ति से हमारे जीवन में नव शक्तियों का जागरण होता है-

**मां दुर्गा देवी:** दुर्गाओं को दूर करने वाली। शक्तिदायिनी।

**मां काली देवी:** कलुषित भावनाओं व संस्कारों को खत्म करने वाली।

**मां शीतलादेवी:** अतिमिक स्नेह द्वारा शीतलता प्रदान करने वाली। सुखदायिनी।

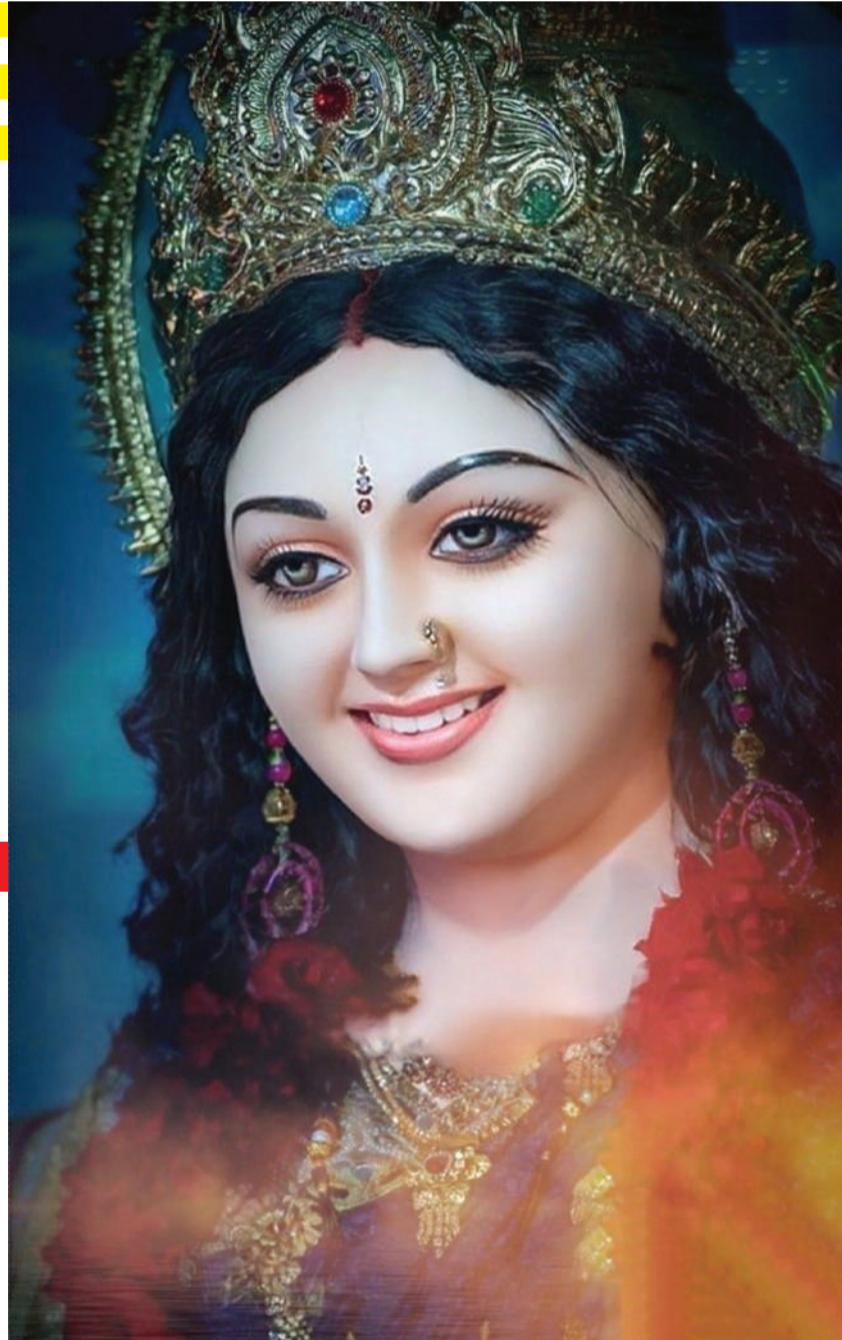
**मां त्रिलोकी देवी:** उमंग-उत्साह द्वारा हर कर्म में सफलता लाने वाली। स्नेहमयी मां।

**मां लक्ष्मी देवी:** महान लक्ष्यों वाली। समृद्धि की देवी।

**मां गंगादेवी:** जीवन में प्रफुल्लता भरने वाली। गुणदायिनी।

**मां मीनाक्षी देवी:** ज्ञान का तीसरा नेत्र प्रदान करने वाली।

**मां सरस्वती देवी:** ज्ञान की धारणा करने वाली। ज्ञानदायिनी। सभी देवियों की अपनी विशेषता है।



परमात्मा ने नारी को बनाया सिर का ताज, विश्व परिवर्तन की सौंपी महान जिम्मेदारी

### विधि से होती है सिद्धि

हर वर्ष नौ दिन शक्ति की भक्ति में हम ब्रत के साथ नियम-संयम और पूरे मनोभाव व संकल्प से जागरण, तप-आराधना-ध्यान करते हैं।

वर्णोंकि विधि से ही सिद्धि मिलती है। यहां खुद से सवाल करना जरूरी है कि यदि नवरात्रि में नौ दिन आदि शक्ति की आराधना में नियम-संयम से चल सकते हैं तो जीवनभर क्यों नहीं? नौ दिन में मातारानी खुश हो सकती हैं तो यदि जीवन ही उनके समान दिव्यता संपन्न बना लें तो क्या उनका स्वरूप नहीं बन सकते हैं? हम देवी की महिमा में जागरते, आराधना करते, उनके गुणों और शक्तियों की महिमा गते हैं, लेकिन इस बारे में भी विचार किया है कि क्या हम उनके समान जीवन में देवीगुण धारण नहीं कर सकते हैं? क्या हम भी उनकी तरह जीवन को शक्ति से परिपूर्ण नहीं बना सकते हैं?

क्या हमारा जीवन

#### वदलात की ओर...

इन नवरात्रि में देवी मां की आराधना के साथ अपने जीवन को उनके समान दिव्यगुणों, विशेषताओं से परिपूर्ण और संपन्न बनाने का संकल्प भी करें।

भी देवी की तरह पवित्र नहीं हो सकता है? क्या हम भी लेवता से देने वाले अर्थात् देव स्वरूप स्थिति को प्राप्त नहीं हो सकते हैं? बचपन से मांगना हमारा संस्कार बन गया है। मुझे प्रेम चाहिए, स्नेह चाहिए, सम्मान चाहिए। इसकी जगह क्या हम देव स्वरूप स्थिति अर्थात् देने वाले, प्रेम स्वरूप अर्थात् स्नेह देने वाले। सम्मान देने वाले। जब जीवन में देने का भाव प्रकट होता है तो देवताई संस्कार अपने आप इमर्ज होने लगते हैं। वर्णोंकि देना ही लेना है। जब जीवन देवियों की तरह गुणवान और पवित्र बन जाता है तो आत्मिक शक्तियों का जागरण होने लगता है।

### आखिर नवरात्रि ही क्यों?

रात्रि अर्थात् अज्ञान, अंधकार, कालिमा, बुराइयां, आसुरीयता। नवरात्रि के साथ जुड़े 'नव' शब्द का अर्थ है नवीनता, नया, नई शुरुआत, शुद्ध-पवित्र। अंकों में इसे नौ भी कहते हैं। इसलिए नवरात्रि में नौ देवियों का गायन है। नवरात्रि अर्थात् अपने अंदर जो बुराइया रूपी असुर और आसुरीयता घर कर गई है उसे नव संकल्प के साथ, नई शुरुआत के साथ जीवन में दिव्यता-पवित्रता का आह्वान करना। जगराता अर्थात् अपनी शक्तियों का जागरण करना। देवियों को आदि शक्ति, शिव शक्ति भी कहा जाता है। कालांतर में शक्तियों ने भी योगवल से शिव से शक्ति प्राप्त की थी, इसलिए इन्हें शिव शक्ति भी कहते हैं। श्रीमद्भागवत गीता में लिखा है कि ब्रह्मा की रात्रि, ब्रह्मा का दिन। सतयुग और त्रेतायुग है ब्रह्मा का दिन और द्वापर, कलयुग है ब्रह्मा की रात है। जब संसार में अज्ञानता की रात्रि छा जाती है तो ऐसे समय पर परमात्मा भी शक्तियों की उत्पत्ति करते हैं, जिससे अंधकार समाप्त हो जाता है और जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैल जाता है। वर्तमान में यह वही परिवर्तन का काल चल रहा है। परमात्मा इस धरा पर आकर आत्मा की शक्तियों को पुनः जागृत करने की शिक्षा दे रहे हैं।

# नशामुक्ति अभियान में संस्था ने जो कार्य किया है वह मिसाल है: केंद्रीय मंत्री कुमार

**मेडिकल विंग : माइंड-बॉडी-मेडिसिन का 50वां सम्मेलन ज्ञान सरोवर में आयोजित**

शिव आमंत्रण, माउंट आबू।

ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान सरोवर में राजयोग एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग द्वारा 50वां माइंड-बॉडी-मेडिसिन राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से चिकित्सा जगत से जुड़े प्रतिनिधियों, चिकित्सकों ने भाग लिया।

सम्मेलन में पहुंचे केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि चिकित्सा व्यवसाय लोगों को जीवनदान देने का भागीरथी कार्य करने के साथ परमार्थ के भी असीम अवसर उपलब्ध होते हैं। विपुलता में तो कोई भी जीवन जीने के लिए किसी भी मूल्य पर उपचार करवा सकता है, लेकिन अभाव भरे जीवन जी रहे लोगों की सेवा करने का पुण्य फल भी प्राप्त किए जाने को इस व्यवसाय में सहायक सिद्ध होता है।

उन्होंने कहा कि यहां के स्वच्छ आध्यात्मिक वातावरण से ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त कर निश्चित तौर पर सहभागी सकारात्मक सोच लेकर जायेंगे। जिससे व्यवसाय उत्तरोत्तर प्रगति करेगा। यहां जो उपदेश दिए जाते हैं उससे



ध्यान-साधना में एकाग्रता आती है। अध्यात्म जगत ही नहीं अपितु भौतिक क्षेत्र में भी एकाग्रता की अहमियत है। ब्रह्माकुमारीज संस्था की सेवाएं अद्भुत हैं। हाल ही में नशा मुक्ति अभियान में संस्था ने जो कार्य किया है वह अपने आप में एक मिसाल है।

जोधपुर एम्स निदेशक डॉ. जीडी पुरी ने कहा कि समाज में स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति प्राप्त करने

की भी जरूरत है। शान्ति के लिए चिकित्सा कार्य से जुड़े लोगों का स्वयं से पहल करनी होगी। चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण एम्बेबीएस के दौरान ही ध्यान-योग को प्रशिक्षण में शामिल किया जाना चाहिए। चिकित्सा प्रभाग प्रमुख डॉ. अशोक मेहरा ने कहा कि मनुष्य के संकल्पों का स्वास्थ्य पर सीधे तौर पर प्रभाव पड़ता है। जब मनुष्य की चेतना संगठित रूप से एक ही प्रकार का संकल्प करती है तो

उसकी सामूहिक सोच का प्रभाव स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दीदी ने डॉक्टर्स को माइंड मैनेजमेंट के टिप्प बताए। ज्ञान सरोवर की निर्देशिका बीके प्रभा दीदी, कार्यकारी सचिव बीके डॉ. मृत्युजय भाई, विंग के उपाध्यक्ष डॉ. प्रताप मिठाडा, सचिव डॉ. बनारसी लाल, दिल्ली को डॉ. मोहित गुप्ता ने भी राजयोग से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।



## श्रीकृष्ण जन्माष्टमी: ज्ञांकी में दिखी स्वर्णिम युग की झलक



शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान, शांतिवन परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर लगाई गई। इसका उद्घाटन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई, मल्टीमीडिया निदेशक बीके करुणा भाई सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों द्वारा किया गया। 75 फीट लंबे इस पांडाल में श्रीकृष्ण के बातरूप से लेकर कंस वध, राधा-मीरा का श्रीकृष्ण से प्यार, गोवर्धन पर्वत, राधा-श्रीकृष्ण का झूला और स्वर्णिम दुनिया की झलक के साथ ही श्रीकृष्ण जी के बाल-लीलाओं, माखनचोरी आदि को प्रदर्शित किया गया। ज्ञांकी के साथ श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंग से जुड़े तमाम पहलुओं में छिपे आध्यात्मिक रहस्यों को दिखाया गया। ज्ञांकी में विशेष रूप से श्रीलक्ष्मी-श्रीनारायण का राज दरबार आकर्षण का केंद्र रहा। लाइटिंग और सांडल के संयोजन से ज्ञांकी को कलात्मक रूप दिया गया। इसे देखने के लिए आबू रोड सहित आसपास के गांवों के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे।

## पानीपत में विराट संत सम्मलेन

परमात्मा की याद से पावन होती है  
आत्मा: आचार्य परमानंद महाराज



शिव आमंत्रण, पानीपत, हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर में विराट संत सम्मलेन का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न स्थानों से महामंडलेश्वर एवं संतों ने भाग लिया। सम्मेलन में उप्र सहारनपुर से आए आचार्य महामंडलेश्वर कमल किशोर ने कहा कि धर्म ही हमारी राष्ट्र की नींव है। धर्म हमें आपस में लड़ना नहीं सिखाता अपितु हमें आपस में प्यार से मिलजुलकर रहना सिखाता है। ब्रह्माकुमारीज मैं मैंने देखा है कि कैसे उनका सबके लिए रूहानी प्यार है। इनके नैनों से, चेहरे से परमात्म प्यार की अनुभूति होती है।

अंबाला कैंट से आए महामंडलेश्वर स्वामी शिव चैतन्य सरस्वती ने कहा कि अध्यात्म का अर्थ होता है आत्मा का अधिकारी हो जाना। मनुष्य के पास ज्ञान तो बहुत है लेकिन आवश्यकता है उसे जीवन में धारण कर स्वरूप में लेने की।

मप्र कटनी से आए आचार्य परमानंद महाराज ने कहा कि गंगा स्नान करने से आत्मा पवन नहीं होती है, आत्मा पावन तो परमात्मा की याद से होती है। परमात्मा पारस की तरह है, जब आत्मा परमात्मा के संग में रहती है तो वह भी सच्चा सोना बन जाती है। माडंट आबू से आए धार्मिक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक राजयोगी रामनाथ भाई ने कहा कि आज का मनुष्यों



के दुखों का कारण अज्ञान है। सारी दुनिया अज्ञानता की नींद में सोई हुई है। लेकिन जब मनुष्य स्वयं एवं अपने परमपिता परमात्मा को जान जाते हैं तो उसके सारे दुःख दर्द समाप्त हो जाते हैं।

ज्ञान मानसरोवर के निदेशक बीके भारत भूषण ने कहा कि परमात्म शक्ति का अनुभव करने के लिए पहले आत्मिक शक्ति का अनुभव करना है तो स्वयं को पहचाने, आत्मा का अनुभव करने के लिए राजयोग का अन्याय होगा। सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी बीके सरला दीदी ने परमात्म शक्ति का अनुभव करने के लिए राजयोग का अन्याय कराया। संचालन बीके शिवानी बहन ने किया। कुरुक्षेत्र से आए डॉक्टर प्रकाश मिश्र और बीके सुरेश बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में नगर के 800 से अधिक गणमान्य लोगों ने भाग लिया।



## माउंट आबू इंटरनेशनल हॉफ मैराथन आयोजित



शिव आम्रण, आबू रोड/माउंट आबू, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 17वें पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में 6वीं आबू रोड से माउंट आबू इंटरनेशनल हॉफ मैराथन आयोजित की गई। 21.9 किमी की इस मैराथन में की शुरुआत मनमोहिनीवन से सुबह 6 बजे हुई। इसमें भारत सहित चार देशों के 3500 से अधिक रनर्स विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर दौड़े।

पैरा ओलंपिक की गोल्ड मेडलिस्ट दुती चंद और 1992 की एशियाई मैराथन की गोल्ड मेडलिस्ट सुनीता गोदारा सहित संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन की शुरुआत की। 21.09 किमी की दौड़ लगाते हुए प्रथम विजेता पाली निवासी कलपेश देवासी ने मात्र 1 घंटे 22 मिनट में ही दूरी पूरी कर ली। वहीं द्वितीय स्थान पर माउंट आबू के वर्षण और तृतीय विजेता रहित टोक रहे।

### लोगों में होगा सद्भावना का विकास-

शुभारंभ पर आबू रोड-रेवदर विधायक मोतीराम कोली ने कहा कि यह मैराथन वर्तमान समय पूरे विश्व में भाईचारा और एकता का संदेश देगा। इससे लोगों में सद्भावना का विकास होगा। आबू रोड पालिका चेयरमैन मणदान चारण ने कहा कि आज जरूरत है कि हम इसे खेल की भावना से लें। इस तरह के आयोजनों से निश्चित तौर पर समाज में एकता और

समरसता का विकास होता है। आबू रोड उपर्युक्त अधिकारी वीरमाराम ने कहा कि शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए ऐसे आयोजनों की जरूरत है ताकि लोगों में जागरूकता आए। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के मीडिया प्रमुख बीके करुणा तथा कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि दादी प्रकाशमणि का सपना था कि पूरे विश्व में विश्व बन्धुत्व की भावना का विकास हो। इसके लिए उनके स्मृति दिवस पर यह आयोजन किया जा रहा है।

**विश्व  
बंधुत्व का  
संदेश लेकर  
चार देशों के  
3500  
धावकों ने  
लगाई  
दौड़**

## ओम शांति भवन माउंट आबू में किया गया पुरस्कार वितरण



### ये रहे उपस्थित

### प्रथम विजेता को दिए 51 हजार

प्रथम आने वाले प्रतिभागी पाली निवासी कल्पेश देवासी को 51 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पर रहे माउंट आबू के वर्षण को 41 हजार रुपये और तृतीय स्थाने पर रहे रोहित टोक को 31 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई। प्रत्येक रनर्स को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। आबूरोड मनमोहिनीवन से आरंभ हुई मैराथन के शुरुआती दौर में छिपावरी तक दो दर्जन से अधिक धावकों में जबरदस्त कॉम्पैटिशन चला, वहीं सत्रधम तक आधा दर्जन लोग ही आगे पीछे हो रहे थे। फॉरेस्ट व्यू पर अचानक कल्पेश आगे निकल गया। जो फिनिसिंग पॉइंट तक आगे ही रहा।

250 बैड का  
बनेगा हॉस्पिटल,  
न्यूटोलॉजी से लेकर  
यूटोलॉजी के इलाज  
की सुविधा मिलेगी  
**ज्लोबल हॉस्पिटल  
एंड रिसर्च सेंटर**  
द्रष्ट के तहत होगा  
संचालित

मुख्य द्रष्टव्य बीके  
निर्वैट भाई और बीके  
बृजमोहन भाई ने  
किया भूमिपूजन

## मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का भूमिपूजन

# 50 एकड़ में दो साल में बनकर होगा तैयार

शिव आम्रण, आबू रोड।

शिवमणि होम के पास बनने वाले मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का भूमिपूजन जन्माष्टमी पर किया गया। पचास एकड़ के विशाल परिसर में यह हॉस्पिटल दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसकी क्षमता 250 बैड की रहेगी। गौरतलब है कि ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय शांतिवन में आयोजित कार्यक्रम में 10 मई 2024 को प्रधानमंत्री नंदें मोदी ने हॉस्पिटल की वर्चुअल नीव रखी थी। उन्होंने इसे सिरोही जिले में गंभीर रोगों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण बताया था।

भूमिपूजन के दौरान ब्रह्माकुमारीज के महासचिव एंव ग्लोबल हॉस्पिटल के ट्रस्टी बीके राजयोगी निर्वैट भाई ने कहा कि हॉस्पिटल को दो साल के अंदर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी अनुमानित लागत करीब दो सौ करोड़ रुपए आएंगी। इसके बनने से आबू रोड में लोगों को सहज-सुलभ इलाज की सुविधा मिल सकेगी। अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि हॉस्पिटल सर्वसुविधायुक्त होगा, इससे लोगों को अहमदाबाद नहीं जाना पड़ेगा और गंभीर रोगों के जांच की सुविधा यहीं मिल सकेगी।

माउंट आबू स्थित ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मित्र ने बताया कि सामाजिक जिम्मेदारी



निभाते हुए ब्रह्माकुमारीज की ओर से 50 एकड़ में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय जरूरतमंद लोगों को सहज ही इलाज की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अभी तक यह व्यवस्था केवल बड़े शहरों में ही है।

### तन के साथ होगा मन का इलाज

डॉ. मित्र ने बताया कि सबसे अहम बात हॉस्पिटल में तन के साथ मन का इलाज भी किया जाएगा। इसमें विशेष रूप से मेडिटेशन रूम बनाए जाएंगे ताकि दवा और दुआ दोनों के समन्वय से लोग जल्दी स्वस्थ हो सकें। हॉस्पिटल में आधुनिक उपकरणों के साथ विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। हॉस्पिटल

निर्माण के साथ निर्माण कॉलेज का भी विस्तार किया जा रहा है। इससे पहले से ज्यादा सुविधाएं मरीजों को मिल सकेंगी। बीके हंसा दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

### ये सुविधाएं मिलेंगी

हॉस्पिटल में मुख्य रूप से न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी की विशेष यूनिट शुरू की जाएंगी। इसमें जानेमाने विषय विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। इसके अलावा प्रिवेट कार्डियोलॉजी, पैलिएटिव केयर और जेरिएट्रिक केयर (वरिष्ठ नागरिक गृह) की भी सुविधा रहेगी। साथ ही तीसरे साल में हॉस्पिटल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट के इलाज की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

## શિક્ષા પ્રભાગ: રાષ્ટ્રીય સમ્મેલન મેં દેશભર સે પહુંચે શિક્ષાવિદ

## સ્વર્ણ એવં સશક્ત ભારત કે લિએ મૂલ્ય શિક્ષા જરૂરી: દાદી



દીવાનંત્રણ, આબૂ રોડ, રાજસ્થાન।

બ્રહ્માકુમારીજ સંસ્થાન કે અંતરરાષ્ટ્રીય મુખ્યાલય શાંતિવન મેં શિક્ષા પ્રભાગ દ્વારા આયોજિત શિક્ષાવિદોને મહાસમ્મેલન મેં સંસ્થાન પ્રમુખ રાજ્યોળિની દાદી રતનમેહિની ને કહા કે યદિ નાથ ભારત કા નિર્માણ કરના હૈ, તો સ્વર્ણ એવં સશક્ત ભારત બનાના હોગા। ઇસે લિએ યુવાઓનો આધ્યાત્મિક શિક્ષા ઔર જ્ઞાન કો જીવન મેં ઉત્તરાના હોગા। યાં સમ્મેલન મૌજૂદા વકત મેં બહુત જરૂરી હો ગયા હૈ।

ઉન્હોને કહા કે બ્રહ્માકુમારીજ સંસ્થાન કી શિક્ષા મનુષ્ય કો શ્રેષ્ઠ મનુષ્ય બનાને કે લિએ અતિ ઉપરોગી ઔર જરૂરી હૈ। રાજ્યોગ ધ્યાન સે હી મનુષ્ય કે જીવન મેં સકારાત્મક બદલાવ આણ્ણા। બ્રહ્માકુમારીજ કી ઇસ મૂલ્ય આધારિત શિક્ષા સે લાખોનો લોગોનો કો જીવન બદલા હૈ। યાં અપને આપ મેં બહુત બડા ઉદાહરણ હૈ। યદિ જીવન મેં આધ્યાત્મ ઔર રાજ્યોગ ધ્યાન હોગા તો યાં જીવન શ્રેષ્ઠ બન જાણ્ણા। કાર્યક્રમ મેં હેમચદ્રાચાર્ય ઉત્તર ગુજરાત યુનિવર્સિટી કે કુલપતિ ડૉ. કેસી પોરિયા ને કહા કે આજ કે યુવાઓને



કા વિશ્વવિદ્યાલયોનો ઔર કાલેજોનો યુવાઓનો તેજી સે નશો કી લત બઢ રહી હૈ। એસે મેં ઉન્હેં મજબૂત ઔર સશક્ત બનાને કે લિએ આધ્યાત્મિક શિક્ષા કી અર્થી આવશ્યકતા હૈ। બ્રહ્માકુમારીજ સંસ્થાન કે ઇસકે લિએ શાનદાર પહલ કર રહી હૈ। ઇસકા લાભ લેના ચાહીએ।

સુચના નિદેશક બીકે કરુણા ભાઈ ઔર શિક્ષા પ્રભાગ કે રાષ્ટ્રીય અધ્યક્ષ બીકે ડૉ. મૃત્યુંજય ભાઈ ને કહા કે આજ સખી કા પરમાત્મા કે ઘર મેં આના હી શિક્ષા મેં નહીં ક્રાંતિ કા પ્રતીક હૈ। ઇસલિએ હમ સખી કો મિલકર ઇસે આગે બઢાના

હૈ। કાર્યક્રમ મેં ઉપસ્થિત શિક્ષા પ્રભાગ કી રાષ્ટ્રીય ઉપાધ્યક્ષ બીકે શીલ દીદી, મુખ્યાલય કો-આર્ડિનેટર બીકે શિક્ષિક દીદી ને ભી અપને વિચાર વ્યક્ત કિએ।

કાર્યક્રમ મેં હેચન્ડાચાર્ય ઉત્તર ગુજરાત યુનિવર્સિટી પાટન કે રજિસ્ટ્રાર ડૉ. રોહિં દેસાઈ, પ્રભાગ કે નેશનલ કો-આર્ડિનેટર બીકે સુમન દીદી, ડૉ. સીવી રમણ યુનિવર્સિટી ભગવાનપુર કે ડીન ડૉ. ધર્મન્દ્ર કુમાર સમેત કંઈ લોગોને અપને વિચાર વ્યક્ત કિએ। સંચાલન શિક્ષા પ્રભાગ કી બીકે સુપ્રિયા દીદી ને કિયા।



## મૂલ્ય શિક્ષા કે લિએ માલદા કાલેજ કે સાથ એમઓયૂ સાઇન

કોલકাতા, પશ્ચિમ બંગાલ। બ્રહ્માકુમારીજ કે એજુકેશન વિંગ ઔર માલદા કાલેજ કે બીચ એમઓયૂ સાઇન કિયા ગયા હૈ। ઇસકે તહેત કાલેજ મેં ઎ડમિશન લેને વાલે પ્રત્યેક વિદ્યાર્થી કો સ્ટ્રોંગ ઇમ્પાવર્સેન્ટ ઔર સ્વ-ઉત્ત્રતિ કે લિએ 30 ઘટે કે 'ઇનર ટ્રાંસ્ફર્મેશન' કાર્યક્રમ મેં ભાગ લેના હોગા।

કાર્યક્રમ મેં માલદા કાલેજ કે પ્રિસિપલ ડૉ. વૈદ્ય, આઈક્યૂએસી કો-આર્ડિનેટર નારાયણ ચ્રદ્ર સાવ, સખી ડિપાટ્મેન્ટલ હેડ્સ ઔર બ્રહ્માકુમારી શયામનગર કી સુખ્ય સંચાલિકા કમલા દીદી,

માલદા સેન્ટર કી સંચાલિકા જયંતી દીદી મુખ્ય રૂપ સે મૌજૂદ રહે। એમઓયૂ કે બાદ કાલેજ વિદ્યાર્થીઓને કે લિએ મોટિવેશનલ ક્રાન્લેસ બીકે અમિત ભાઈ ઔર બીકે સ્નેહા બહન દ્વારા કરાઈ ગઈ। ઇસમેં ઉન્હોને વિદ્યાર્થીઓનો સમય પ્રબંધન, મન પ્રબંધન, એકગ્રાત, સકારાત્મક ચંતન આદિ વિષયોને પર પ્રકાશ ડાલા।

બતા દેં કે એજુકેશન વિંગ દ્વારા અબ તક દેશભર કી 30 સે અધિક યુનિવર્સિટી ઔર કાલેજ કે સાથ મૂલ્ય શિક્ષા કે લિએ એમઓયૂ સાઇન કિયા ગયા હૈ।

## સ્પોર્ટ્સ વિંગ: અખિલ ભારતીય સમ્મેલન કા આયોજન

## ખેલોને સફળતા કે લિએ સકારાત્મક માઇંડ સેટ કી જરૂરત

દીવાનંત્રણ, માઉંટ આબુ।

બ્રહ્માકુમારીજ કી ભગની સંસ્થા રાજ્યોગ એજુકેશન એવં રિસર્ચ ફાઉન્ડેશન કે તહેત સંચાલિત સ્પોર્ટ્સ વિંગ દ્વારા અખિલ ભારતીય સમ્મેલન આયોજિત કિયા ગયા। ખેલોને સફળતા કે લિએ પોંજિટિવ માઇંડ સેટ કા વિકાસ વિષય પર આયોજિત ઇસ સમ્મેલન મેં દેશ કે વિભિન્ન હિસ્સોને સે બડી સંખ્યા મેં ખેલ પ્રતિનિધિયો, પ્રશિક્ષકોને એવં અંતરરાષ્ટ્રીય સ્તર કે ખિલાડીઓને ને ભાગ લિયા।

બ્રહ્માકુમારી સંસ્થાન કી સંયુક્ત સુખ્ય પ્રશાસિકા તથા સ્પોર્ટ્સ વિંગ કી વાઇસ ચેયરપર્સન રાજ્યોળિની શાણ દીદી ને કહા કે અંતરરાષ્ટ્રીય સ્તર કે ખેલોનો સફળતા પ્રાપ્ત કરતે કે લિએ સંકારાત્મક માઇંડ સેટ કી જરૂરત હોતી હૈ। કમાજોર માનસિકતા કી વજહ સે હુંમે વિફળતા પ્રાપ્ત હોતી હૈ। સકારાત્મક માનસિકતા કા પૂર્ણ વિકાસ કરકે વિજય પ્રાપ્ત કરની હૈ। રાજ્યોગ મેડિટેશન આપકે મન કી શક્તિ કો કરી ગુણ બઢા દેતા હૈ। જબ હમ પરમાત્મા પરમાત્મા સર્વેશ્વરિત્વના સે અપાન ધ્યાન કેંદ્રિત કરતે હૈને તો પરમાત્મા કી અસીમ શક્તિયાં હુંમે પ્રાપ્ત હોતી રહતી હોતી હૈ ઔર હમારા મન શાંત તથા શક્તિશાલી બના રહતા હૈ। ફિર હમ બડી-બડી સફળતાએ પ્રાપ્ત કરતે રહતે હોતે હૈ।

સ્વાર્થીમ ગુજરાત સ્પોર્ટ્સ યુનિવર્સિટી કે વાઇસ ચાસલર અર્જુન સિંહ રાણા ને કહા કે હમારી વિશ્વવિદ્યાલય 130 એકડ ભૂમિ મેં ફેલતું હુંા હૈ ઔર આજ કી તારીખ મેં યાં એક કટવું બન ચુકા હૈ। દેશભર કે ખિલાડી યાં પ્રશિક્ષણ પ્રાપ્ત કરતે હોતે હૈને। હમ બ્રહ્માકુમારીઓનો સે અનુરોધ કરતે હોતે કે આપ હમારે સાથ એવા એમઓયૂ કરેં ઔર હમારે ખિલાડીઓનો માનસિક શક્તિ કે વિકાસ મેં પ્રશિક્ષણ



દેં। આપ હમારે વિશ્વવિદ્યાલય મેં એક નિયમિત રાજ્યોગ પ્રશિક્ષણ કેંદ્ર સ્થાપિત કરો। રાજ્યોગ કે અધ્યાત્મ સે ખિલાડીઓનો હી, સાથ-સાથ વહ કાફી સફળતા પ્રાપ્ત કરો। ખિલાડી રાજ્યોગ ધ્યાન પદ્ધતિ કે વિકાસ કરકે એક બહુત અછે ઇંસાન ભી બનોં। ઉસ્માનિય વિશ્વવિદ્યાલય સ્પોર્ટ્સ ડિપાર્ટમેન્ટ કે ડીન ડૉ. રાજેશ કુમાર ને કહા કે બ્રહ્માકુમારીજ કે સાથ પિછે 10 વર્ષોને સે વિશ્વવિદ્યાલયનો કો સ્વાગત હૈ। મેડિટેશન ઔર અચ્છી જીવનશાલી કે આધાર પર જીવન મેં સંચા સુખ, શાંતિ એવં ઉત્તમ સ્વાસ્થ્ય પ્રાપ્ત હોતો હૈ। મન કો શાંત રહ્યાને કે લિએ મેડિટેશન બહુત આવશ્યક હૈ। રાજ્યોગ મેડિટેશન સે ના સિર્ફ મન કી તાકત બઢાતી હૈ બલ્કિ શરીર ભી સ્વસ્થ હોતો હૈ। સહી ઔર શુદ્ધ ખાન-પાન હુંમે બહુત અધિક સફળતા દિલાએના। ભારતીય નેત્રી કે અંતરરાષ્ટ્રીય તૈરાક વિનય સહરાન ને કહા કે સફળતા પાને કે લિએ સિર્ફ શારીરિક શક્તિ કી નહીં બલ્કિ શક્તિશાલી માનસિક બલ કી ભી જરૂરત હોતી હૈ। મેડિટેશન કે કારણ

शिव आमृतनंदमायी, आबू रोड (राजस्थान)

ब्रह्माकुमारीजी की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 17वीं पुण्यतिथि पर विश्वभर में लाखों लोगों ने पुष्पांजली अर्पित कर उनकी शिक्षाओं को याद किया। भारत सहित विश्व के 137 देशों में पुण्यतिथि विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाई गई। संस्थान के आठ हजार सेवाकेंद्रों पर अलसुबह से रात तक योग-साधना का दौर जारी रहा।

शांतिवन में दादी की याद में बने प्रकाश स्तंभ पर सबसे पहले मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुनी दीदी, महासचिव बीके निवैर भाई, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों के साथ दस हजार से अधिक लोगों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

महासचिव बीके निवैर भाई ने कहा कि मुझे वर्षों तक दादी प्रकाशमणि जी के साथ सेवाएं करने का सौभाग्य मिला। दादी का व्यक्तित्व इतना विशाल था कि बड़े-बड़े संत-महात्मा भी उन्हें दादी मां कहते थे। दादी प्रकाशमणि नारी शक्ति का वह प्रदीप्तमान सितारा थीं जिनके ज्ञान के प्रकाश की रोशनी आज भी अद्यात्म के पथिकों की राह प्रस्तात कर रही है।

अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि दादी और बाबा की प्रेरणा से यह विशाल दायरमंड हॉल बनकर तैयार हुआ। बाबा दादी को कुमारका नाम से पुकारते थे, क्योंकि दादी हमेशा भाईयों का मां की तरह बहुत ध्यान रखती थीं। दादी के साथ सभी को लगता था कि यह मेरी दादी हैं। उन्होंने प्यार-स्नेह से सभी को एकता के सूत्र में बांध रखा था। दादी हमेशा कहती थीं शिव बाबा का यह ईश्वरीय परिवार है वहीं चला रहे हैं, मैं तो निमित्त मात्र हूं।



### दो हजार श्रमिकों को कराया नशामुक्ति का संकल्प

आबू रोड। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दादी प्रकाशमणि के पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में शांतिवन सहित आबू रोड के सभी परिसर में सेवाएं दे रहे दो हजार से अधिक श्रमिकों को उपहार प्रदान किया गया। साथ ही सभी को नशामुक्ति का संकल्प कराया गया। सभी श्रमिकों ने दादी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली दी। इस मौके पर संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुनी दीदी ने कहा कि दादीजी के समय से ही यहां सेवा दे रहे श्रमिकों का भाई-बहनों की तरह ध्यान रखा जाता है। सभी बड़े प्रेम-प्यार से सेवा करते हैं। आप सभी भाग्यशाली हैं जो भगवान के घर में सेवा करने का मौका मिला है।

## रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है: आचार्य बालकृष्ण

**450 रक्तवीरों ने किया रक्तदान, राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 17वीं पुण्यतिथि विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजन**

शिव आमृतनंदमायी, आबू रोड।

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 17वीं पुण्यतिथि विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीजी के मुख्यालय शांतिवन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से आए 450 ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने रक्तदान किया। शिविर के शुभारंभ पर पहुंचे पतंजलि आयुर्वेद के आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। जो युवा स्वस्थ हैं उन्हें जरूर रक्तदान करना चाहिए। हर एक व्यक्ति रक्तदान का संकल्प करे तो देश में हर साल रक्त की कमी से होने वाली लाखों मौतों को टाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीजी संस्थान की सेवाएं बहुत ही सरहनीय हैं। यह संस्था नारी शक्ति और सशक्तिकरण की मिसाल है। नारी शक्ति ने एक जुट होकर पूरे विश्व में अध्यात्म का परचम फहराया है। यहां भाई-बहनों बड़े ही सेवाभाव से सेवा करते हैं जो अनुकरणीय है। संस्था के मुख्यालय आकर बहुत अच्छा लगा। इस दौरान उन्होंने शांतिवन का भी अवलोकन किया।

मल्टीमीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने कहा कि संस्था हर क्षेत्र में अपने सामाजिक जिम्मेदारी निभा रही है। समय प्रति समय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इससे रक्तदान की कमी को ढूँढ़ करने में मदद मिली है।

ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मिठाना ने कहा कि ग्लोबल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर माउंट आबू और ट्रॉमा सेंटर आबू रोड द्वारा शिविर का आयोजन किया गया


**नारी शक्ति की मिसाल थी दादी**

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुनी दीदी ने कहा कि जिस विश्वास, आशा और उम्मीद के साथ ब्रह्मा बाबा ने दादी को 1969 में इस ईश्वरीय परिवार की कमान सौंपी थी दादी ने उससे हजार गुना उम्मीद पर खरा उत्तरते हुए परमात्म के दिव्य कार्य को न केवल आगे बढ़ाया, बल्कि लाखों ब्रह्माकुमार भाई-बहनों के हृदय में निश्चल स्नेह-प्यार की मूरत बनकर सदा-सदा के लिए बस गई। आपका जीवन नारी के शक्ति स्वरूप की जीती जागती मिसाल था।

**लक्ष्य महान हो तो कुछ भी असंभव नहीं है...**

मल्टीमीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने कहा कि आपने दिव्य कर्म और विराट सोच से यह साक्षित कर दिखाया है कि यदि लक्ष्य पवित्र, महान और परमात्म साथ हो तो कुछ भी असंभव नहीं है। इतने महान लक्ष्य दो-पांच वर्षों में हासिल नहीं किए जा सकते हैं। योग-तपस्या के पथ पर चलते हुए आपने न केवल अपना जीवन तपस्यामय बनाया बल्कि हजारों लोगों के लिए आदर्शमूर्ति, उदाहरणमूर्ति बनकर दिलों में ऐसी अमित छाप छोड़ी जिसे मिटा पाना कभी संभव नहीं है। संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके शशी दीदी और बीके दिल्ली पांडव भवन की बीके पुष्प दीदी, यूएसए की डॉ. बीके हंसा दीदी, बीके आत्म प्रकाश भाई सहित दस हजार से अधिक लोग मौजूद रहे। संचालन प्रयागराज की बीके मनोरमा दीदी ने किया।

**देशभर से पहुंचे युवाओं ने दिखाया उत्साह**

रक्तदान में 20 साल के युवा से लेकर 50 साल के वरिष्ठ लोगों ने उत्साह दिखाया। हर कोई रक्तदान और अपना नंबर आने के लिए बेसब्री से इंतजार करता दिखा। इनका कहना था कि दादीजी की पुण्यतिथि पर आयोजित शिविर में रक्तदान करने का सौभाग्य मिला है, इससे खुशी हो रही है। बता दें कि मेडिकल विंग, ग्लोबल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर और ट्रॉमा सेंटर आबू रोड द्वारा संयुक्त रूप से समय प्रति समय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इससे हॉस्पिटल में रक्त की पूर्ति आसानी से हो जाती है।

## संपादकीय

# आत्म दीप जलाएं, मन का अज्ञान-अंधकार मिटाएं

आत्मा रूपी दीपक को जलाकर ही हम मन का अज्ञान-अंधकार मिटा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि पहले अपने आप को जानें, अपने स्वरूप को जानें। मैं कौन हूं? मैं आत्मा इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर क्यों आई हूं? मुझे जीवन में क्या करना है? मेरे जीवन का क्या उद्देश्य है? परमात्मा से कैसे मंगल मिलन मना सकते हैं? ये वह प्रश्न हैं जिनके जवाब प्रत्येक मनुष्य आत्मा को जानना जरूरी है। जब तक हम सत्य ज्ञान को नहीं समझेंगे हमें खुद और जीवन से जुड़े इन प्रश्नों के उत्तर नहीं मिलेंगे। राजयोग मेडिटेशन ही वह विधा, शिक्षा और पद्धति है जिसे जानकर, जीवन में अपनाकर आत्मा-परमात्मा से जुड़े प्रत्येक प्रश्न का समाधान पा सकते हैं। इससे जहां हमारा आत्म दीप जल जाता है, वहाँ मन में व्याप्त नकारात्मक विचार, अज्ञान-अंधकार, कलुषित विचार, दूषित भावनाएं सदा-सदा के लिए होलिका दहन की तरह योग अग्नि की जाला में जलकर स्वाहा हो जाती है। जैसे-जैसे हमारा राजयोग का अभ्यास बढ़ता जाता है आत्मदीप जलता जाता है। मन शक्तिशाली बन जाता है। मन शुद्ध, पवित्र विचारों से भरपूर हो जाता है। राजयोग मेडिटेशन परमात्मा द्वारा सिखाई गई वह कला, विद्या है जो सृष्टि रूपी रंगमंच पर एक बार ही कलियुग के अंत और सत्यगुण के आदि संगमयुग पर परमात्मा अवतरित होकर मनुष्यात्माओं को सिखाते हैं। वह आत्मा को तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाकर नई स्वर्णिम दुनिया में चलने के दिव्यगुणों से शृंगार करते हैं।

## बोध कथा/जीवन की सीख

### कोयला और चंदन

चौधरी पहलवान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित हुआ था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को पास बुलाया। बेटा पास आ गया तो उन्होंने उससे कहा, 'देखो बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया।

अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। लेकिन इससे पहले जरा तुम एक कोयला और चंदन



का एक टुकड़ा उठा कर ले लाओ। बेटे को पहले तो यह बड़ा अटपटा लगा, लेकिन उसने सोचा कि अब पिता का हूँक है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया।

संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों को लेकर अपने पिता के पास पहुंच गया। उसे आया देख पहलवान बोले, 'बेटा, अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो।' बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दीं और हाथ धोने जाने लगा तो पहलवान बोले, 'जरा उठारो बेटा। मुझे अपने हाथ तो दिखाओ।'

बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दीं और हाथ धोने जाने लगा तो

पहलवान बोले, 'देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया।

लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई।

गलत लोगों की संगति ऐसी ही होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है। दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लकड़ी की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर बनी रहती है। इसलिए हमें आत्मिक उत्तमता संगति में ही रहना। आप स्वयं विचार करें - जीवन हमारा तो सज्जन / दुर्जन संग का निर्णय भी हमारा ही हो !

**सीख:** कहा गया है संग तरे, कुसंग बोरे। अर्थात् जीवन में सत्संग करने से जीवन आसान हो जाता है। हमारा कल्याण हो जाता है। प्रभु की प्राप्ति हो जाती है। वहीं कुसंग से हमारा जीवन नकर बन जाता है। हम दुःख, समस्याओं के पहाड़ से घिर जाते हैं। इसलिए सदा संत-महात्माओं और सज्जनों का ही संग करना चाहिए जिससे हमारी आत्मिक उत्तमता होती रहे।



## मेरी कलम से

मंजू अग्रवाल (64)  
पूर्व निदेशक, ऑक्सफोर्ड  
पलिक शूल, बीना, मप्र

मैं पिछले 12 वर्षों से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर रही हूं। शुरुआत में सब ठीक रहा। लेकिन अचानक मेरे डॉक्टर पति का स्वास्थ्य बिगड़ा शुरू हो गया। भोपाल, इंदौर, चंडीगढ़ से लेकर दिल्ली में इलाज कराया। लाखों स्थानों पर्याप्त खर्च करने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ। राजयोग मेडिटेशन और शिव बाबा की शिक्षा का कामाल है कि घर में अचानक आई विपदा में भी कभी विचलित नहीं हुई। हर समस्या और परिस्थिति का मनोबल के साथ समाना किया। पति के इलाज के लिए हर संभव प्रयास किए ताकि वह स्वस्थ हो जाए। बाबा ने कहा है कि प्रत्येक आत्मा का इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर पार्ट निश्चित है। इस ज्ञान के आधार से खुद को संभाले रखा। मेरे पाति भी राजयोग मेडिटेशन करते थे, इससे उनकी बिल पॉवर बहुत स्ट्रांग थी। कोरोनाकाल में भी वह बीमारी के बाद भी कोरोना पॉजिटिव नहीं हुए। यह देखकर डॉक्टर हैरान थे। यहाँ तक कि बीमारी की हालत में भी क्लीनिक में मरीजों का इलाज करते थे। असहनीय दर्द में भी सदा मुस्कुराते रहते थे। तामा इलाज के बाद अंततः पति ने शरीर छोड़ दिया। ब्रह्मकुमारी दीदियों के मार्गदर्शन और राजयोग मेडिटेशन की बदौलत जीवन

में आई इस विपदा से उबर पाई। दुख तो हुआ लेकिन राजयोग के ज्ञान से खुद को संभाल लिया। न केवल खुद को संभाल बल्कि परिवार के सदर्यों और बेटों को भी संभाला। मेरे जीवन का अनुभव है कि जब हम सबकुछ शिव बाबा को अर्पण कर देते हैं, उनसे सच्ची प्रीत लगाकर उनकी बताई श्रीमत पर चलते हैं तो फिर हमारी जिम्मेदारी बाबा की हो जाती है। पिछले साल की बात है मधुबन में सेवा करने की इच्छा, लेकिन अचानक स्टोन का दर्द शुरू हो गया, तब मैं शांतिवन में ही थी। इस पर मैं बाबा के रूप में पहुंची और कहा कि बाबा मुझे यहीं पर सेवा करनी है लेकिन आँपरेशन के लिए घर जाना चाहेगा। अपना सारा हाल बाबा को बताया कर दिया। प्यारे बाबा का कमाल है कि पांच मिनट के बाद ऐसा लगा कि जैसे बाबा ने सर्जन बनकर मेरा स्टोन निकाल दिया हो और दर्द पूरी तरह से गायब हो गया। यह देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गई। इसके कुछ दिनों बाद डॉक्टर को चेकअप कराया तो स्टोन नहीं मिला। इस तरह जीवन में प्यारे बाबा की मदद के अनेक अनुभव हैं। दिल यही कहता है शुक्रिया तेरा प्यारे बाबा शुक्रिया तेरा।



## मनोगत पवित्रता में मंथा निराकारी द्वारा नैसर्गिक सुख



### जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 75

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंस्टिस्ट

गोल्ड मेडिलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर (स्पीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारा, देवास, मप्र)



**भाव एवं भासना का नैसर्गिक सदुपयोग:** आन्तरिक और बाह्य जगत के वातावरण को सौहार्दपूर्ण बनाए रखने हेतु भाव एवं भासना का नैसर्गिक उपयोग क्षमा कल्याण के सद्गुण से सुसज्जित होकर अंतर्मन को शक्तिशाली बनाने की क्रियाविधि में गहनता से संलग्न रहता है। मानवीय व्यवहार के केन्द्र में जीवन के मूल्यपरक गुणों एवं शक्तियों से युक्त विभिन्न प्रकार की आदर्श स्थितियाँ होती हैं, जिनके अनुगमन हेतु अंतःकरण की पवित्रता से युक्त मनोगत की उपस्थिति सदा ही उपयोगी होती है। स्वयं के उत्थान हेतु अंतर्मन से आध्यात्मिक पुरुषार्थ में संलग्न रहना होता है, जिसके अंतर्मत वह जीवन को हीरे तुल्य बनाने हेतु स्वयं को ऊंचा उठाने के विभिन्न उपायम का अनुसरण करती है। जिसमें मुख्य रूप से मंथा से निर्विकारी, वाचा से निरहंकारी और कर्मणा से निर्विकारी स्थिति, अवस्था और स्वरूप का निर्माण किया जाना प्रमुख रूप से सम्मिलित होता है।

**सुख-शांति, आनंद हेतु भावना, भाषा:** आत्म जगत से सम्बन्धित सम्पूर्ण स्वरूप का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने पर यह ज्ञान हो जाता है कि आत्मा के स्वमान, स्वरूप एवं स्वभाव के विवरण की अपरिवर्तित हो जाता है। भाव जगत की पवित्रता के बाद जीवन के कल्याणकारी गुण के साथ जोड़ देने पर आत्मगत चिंतन का परिवर्तन होता है, जिसमें मानवीय भावना और भासना अपनी सूक्ष्म तरंगों के माध्यम से जीवात्मा की उत्तमता में सहायक सिद्ध होती है। आत्मीयता से युक्त भाव एवं भासना, मनुष्य जीवन में मधुर सम्बन्धों के महत्वपूर्ण आधार होते हैं जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व के क्षमा के कल्याणकारी गुण के साथ जोड़ देने पर अत्यन्त चिंतन का विराटता की ओर अभियुक्त होते हुए। आत्मा और परमात्मा के गुणानुवाद से समर्पित चेतना को सम्पूर्णता एवं सम्पन्नता अर्थात् आत्म वैभव की भासना से अभिसंचित करने का पुरुषार्थ होता है। अन्तर्मन की पवित्रता को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने हेतु मानवीय संवेदनशीलता सर्वाधिक

## मुक्ति एवं जीवन मुक्ति की प्राप्तिकाता

हृदय की निर्मलता से ही मस्तिष्क में उत्पन्न होने वाले विचारों की स्पष्टता अर्थात् वोगम्यता के सदर्भ एवं प्रसंग में विश्लेषण निर्धारित हो पाता है जिसे मर्यादित आचरण द्वारा सम्प्रेषण को वृहद स्तर पर सामाजिक स्वीकारोत्तम के स्वरूप में मान्यता प्राप्त होती है। आध्यात्मिक परिदृश्य के अन्तर्गत आत्म जगत की प्रविष्टि से मुक्ति एवं जीवन मुक्ति की प्राप्तिकाता को ढूँढ़ने का जरन मानवीय स्वभाव की प्रवृत्ति में समाविष्ट होता है जिसे क्षमा के उत्तम परिवेश से पवित्र भावना एवं विचार द्वारा कर्तव्याकारी स्वरूप में प्राप्त होता है। जीवात्मा, मुक्ति एवं जीवन मुक्ति की प्राप्तिकाता को व्यवहारक स्वरूप में जब कर्म, अकर्म एवं सुकर्म से भी स्वयं को मुक्त कर लेती है, तब वह संपूर्ण रूप से स्वतंत्र होकर आध्यात्मिक पुरुषार्थ की पराकाष्ठा को प्राप्त करती है, जिससे आत्म जगत का नैसर्गिक सुख स्वयं ही प्रस्फुट होकर आत्म मंथा, वाचा, कर्मणा, संकल्प, समय, संवंध

મેડિકલ વિંગ : માઇંડ-બૉડી-મેડિસિન રાષ્ટ્રીય સમ્મેલન આયોજિત, આચાર્ય બાલકૃષ્ણ ને કહા-

# દેશભર કે અનુસાર ચિકિત્સક એક યોગી ઔર સાધક હોતા હૈ

શિવ આમંત્રણ, આબુ યોડ।

બ્રહ્માકુમારીજ સંસ્થાન કે મુખ્યાલય શાંતિવન કે આનંદ સરોવર પરિસર મેં મેડિકલ વિંગ એવં આયુષ મંત્રાલય કે સંયુક્ત તત્વવિધાન મેં માઇંડ-બૉડી-મેડિસિન તીવ્ન દિવસીય રાષ્ટ્રીય સમ્મેલન આયોજિત કિયા ગયા હૈ। ઇસમાં દેશભર સે એક હજાર સે અધિક આયુર્વેદ કે ડૉક્ટર, વૈદ્ય ઔર શોધાર્થી ભાગ લે રહે હોયાં।

શુભાર્થ પર હરિદ્વાર સે આપ પરંજલિ આયુર્વેદ કે એપડી વ સીઇઓ આચાર્ય બાલકૃષ્ણ ને કહા કે હમ કિસી ફેશી કે વિરોધી નહીં હૈ જો લૂટ-ખોસોટ કરેગા, હમ ઉસકે વિરોધી હોય, ફિર વહ ચાહે આયુર્વેદ વાલા હી ક્યાં ન હો। જીવ એક રોગી હમારે પાસ આતા હૈ તો વહ હમેં ભગવાન કે ભાવ સે દેખતા હૈ લેકિન યદિ હમારે મન મેં યદિ લૂટ ઔર પૈસે કમાને કા ભાવ હોણા તો ઇસસે બડા પાપ નહીં હૈ। આજ લોભ ઇતના હાવી હો ગયા હૈ કે પહલે બીમાર કિયા જાતા હૈ ફિર ઇલાજ કરતે હોય। કોરોના કે સમય ડર કે કારણ હજારોં મહિલાઓનો કિ ડિલીવરી નાર્મલ હો ગઈ હૈ। અબ સબ સામાન્ય હો ગયા હૈ તો ફિર સે લોગોનો કા ધ્યાન શુરૂ હો ગયા હૈ। હમ લોગોને અભી નિદાન કે સંદર્ભ મેં 2600 શ્લોકોનો કા 18 છંદોને

**દેશભર સે એક હજાર  
સે અધિક આયુર્વેદ કે  
ડૉક્ટર, વૈદ્ય ઔર શોધાર્થી  
લે રહે હોયાં ભાગ**



નિઃ ગ્રંથ કી રચના કી હૈ। 1500-1600 વર્ષ પૂર્વ નિદાન કા ગ્રંથ થા। પહલે કે નિદાન કે ગ્રંથોનો મેં 225 કે આસપાસ રોગોનો કા વર્ણન હૈ લેકિન હમ લોગોને ને 500 રોગોનો કા વર્ણન કિયા હૈ। આચાર્ય બાલકૃષ્ણ ને કહા કે શાસ્ત્ર કે અનુસાર ચિકિત્સક સહી માયને મેં એક યોગી ઔર સાધક હોતા હૈ। આયુર્વેદ મેં નાડી વૈદ્ય કી બડી મહિમા હૈ। લેકિન ચિકિત્સા નાડી વિજ્ઞાન સીખને કે લિએ પહલે અપને મન કા શાંત ઔર શક્તિશાળી હોના જરૂરી હૈ। જિતના આપ અંતર્મુખ હોંગે તો નાડી વિદ્યા કો ઉતના ગહરાઈ સે સમજ પાએને।

આધ્યાત્મિકતા કોઈ ખોજને કી યાત્રા નહીં હૈ જો હમ ભૂલા ચુકે હોય તુસે પાને કી બાત હૈ। હમેં અપને અંદર ખોજના હૈ। અંતર્યાત્રા મેં જાના હી અધ્યાત્મમાં હોય તો હમ ભી વૈદ્ય બન જાએંને। ચરક સંહિતા કો પઢેંગે તો આપકો લેગેના કોઈ આધ્યાત્મિક કિટાબ પઢ રહે હૈને। બ્રહ્માકુમારીજ મેં રાજ્યોગ મેડિટેશન કી શિક્ષા દી જાતી હૈને, ઇસસે ન કેવલ મન ઠીક હોતા હૈ બલ્યા શરીર ભી સ્વસ્થ રહતા હૈને। નિઃ દિલ્લી કે સીસીઆરેચ કે મહાનિદેશક ડૉ. સુભાષ કૌશિક ને કહા કે બ્રહ્માકુમારીજ જ્ઞાન ઔર યોગ દ્વારા લોગોનો આત્મિક જ્ઞાન પ્રદાન કરતી હૈ। સંસ્થા હદ્દ્ય કે મરીજોને કે ઉપચાર કે લિએ અચ્છા કાર્ય કર રહી હૈને। જોથુરૂ કી ડીએસારારી યૂનિવર્સિટી કે કુલપતિ પ્રો. પીકે પ્રજાપતિ સહિત અન્ય વક્તાઓને સંબોધિત કિયા હૈને।

## રક્ષાબંધન પર હરિદ્વાર મેં સંત ગોષ્ઠી કા આયોજન બહને ભારતીય સંસ્કૃતિ કો મજબૂત કર રહી હૈને: દ્વારી અમિષેક ચૈતન્ય મહારાજ

શિવ આમંત્રણ, હારિદ્વાર।

બ્રહ્માકુમારીજ કે હરિદ્વાર સેવાકેંદ્ર પર સંત ગોષ્ઠી કા આયોજન કિયા ગયા હૈ। આચાર્ય બ્રહ્મનિષ્ટ મહામંડલેશ્વર દેવાનંદ સરસ્વતી મહારાજ ને કહા કી મૈં બહનોને સે રાખી બંધવાકર અપને આપ કો અભિભૂત અનુભવ કરતા હોય। ઇસ ઈશ્વરીય વિશ્વ વિદ્યાલય કી એકતા, પ્રેમ, ઔર સેવાભાવ સે મૈં બુઝું પ્રભાવિત હોય। મુજ્જે યાં આકર અપનેન, નિસ્વાર્થ સ્નેહ, ઈશ્વરીય પ્રેમ કા અનુભવ હોતા હૈ। મહામંડલેશ્વર સ્વામી ડૉ. મુક્તાનંદ પૂરી મહારાજ ને કહા કી ગુરુકુલ પરંપરા મેં દેશ-વિશ્વ કે લિએ એક આધ્યાત્મિક દિશા દિખાને કા સ્થાન થા। ઇસ ઈશ્વરીય વિશ્વ વિદ્યાલય મેં સેવાભાવ જૈસા ગુરુકુલ મેં હોતા થા। યાં પર જ્ઞાન-વિજ્ઞાન કી બાતે ભી હોય।

મહામંડલેશ્વર સ્વામી કર્ણપાલ ગિરી મહારાજ ને કહા કી મુજ્જે અંતરરાષ્ટ્રીય મુખ્યાલય માર્ટાંડ આબુ જાને કા સૌભાગ્ય પ્રાપ્ત હુઅ હૈ। મૈને વહાં પર ઉનકી દિવ્યતા,



એકતા ઔર ઈશ્વરીય પ્રેમ કા અનૂઠા સંગમ દેખા હૈ। આજ તો મૈં રાખી બંધવાને આયા હું। ઇસલિએ ઇસ ઈશ્વરીય વિદ્યાલય કો મેરી બહુન-બહુત શુભ મંગળ કામનાએં। મહામંડલેશ્વર પ્રોબોનંદ ગિરિ મહારાજ ને કહા કી આજ હમ રક્ષાબંધન કો માનતે હોય લેકિન રક્ષાબંધન કા ક્યા ભાવ હૈ ઔર ઉનકી ક્યા ભાવનાએં

હોની ચાહિએ ઉસ ભાવ ઔર ભાવનાઓને સે રક્ષાબંધન નહીં મનાયા જાતા હૈ। આજ તો સિર્ફ મનાને કે લિએ હી મનાયા જાતા હૈ। હમને વિદેશી સંસ્કૃતિ કો બહુત કોપી કિયા હૈ। વહાં સિસ્ટર ડે શ્રુત હુઅ જબ વહાં કોઈ બ્રદર નહીં મિલા તો ફિર ઉદ્ઘોને સિસ્ટર ડે કો બદલ મર્દસ ડે કર દિયા તો ઉનકો ઇસ આધ્યાત્મિક સંસ્કૃતિ યા

ભારતીય સંસ્કૃતિ કા કોઈ અનુભવ નહીં હૈ। હમ ઉનકા અનુસરણ કરતે હોય તો હમારી દુર્ગતિ હોના તો નિશ્ચિત હૈ। ઇસલિએ ભારત મેં જો ત્યોહાર મનાએ જાતે હોય તુસકા ભાવ સમજકર ઉસકા ભાવનાઓનો સમજકર મનાએં। રક્ષાબંધન કે ભાવ કો સમજકર જબ બ્રહ્માકુમારી બહને રાખી બંધે તો ઉસી ભાવ સે ઈશ્વરીય ભાવના સે રાખી બનવાના તો યાં રક્ષાબંધન મનાના સાર્થક હો જાએનું।

મહામંડલેશ્વર સ્વામી અભિષેક ચૈતન્ય મહારાજ ને કહા કી હમારી સંસ્કૃતિ, વैદિક સંસ્કૃતિ, હમારી ત્યોહાર યાં સબ હમારી ધર્માહર હોય હૈ। મનુષ્ય અર્થ, કામ ઔર રાજનીતિ કે પણે પડા હુઅ હૈ લેકિન મનુષ્ય ભૂલ ગયા હૈ કે હમારી સંસ્કૃતિ કો જડેં જબ તક મજબૂત નહીં હોણી તબ તક હમારા સમાજ મજબૂત નહીં હો સકતા હૈ। બ્રહ્માકુમારી બહનેં ભારતીય સંસ્કૃતિ કો મજબૂત કર રહી હૈનું। બ્રહ્માકુમારી મંજુ દીવાની ને સભી સન્ત મહાત્માઓની કી કલાઈ પર માર્ટાંડ આબુ સે આયા પરમાત્મ રક્ષા સૂત્ર બાંધ ઔર મુખ મીઠા કરાયાં।

**ચાર દિવસીય મની, ટૈક્સ, માઇંડ મૈનેજમેન્ટ નેશનલ કોન્ફ્રેસ આયોજિત**

## દેશભર સે પહુંચે ચાર્ટર્ડ એકાઉન્ટિંગ ને સીખી ધ્યાન કી બાદીકિયાં

**દેશભર સે 500 સે અધિક ફાઇનેસ પ્રોફેશનલ્સ ને લિયા ભાગ**

શિવ આમંત્રણ, આબુ યોડ।

માઇંડ મૈનેજમેન્ટ ઔર રાજ્યોગ મેડિટેશન કી બારીકિયાં સીખને કે લિએ દેશભર સે ફાઇનેસ પ્રોફેશનલ્સ બ્રહ્માકુમારીજ કે મુખ્યાલય શાંતિવન પહુંચોંને મનમોહનીવન પરિસર મેં ચાર દિવસીય મની, ટૈક્સ, માઇંડ મૈનેજમેન્ટ નેશનલ કોન્ફ્રેસ આયોજિત કી ગઈ હૈ। ઇસમાં સીએ, સીએસ ઔર સીએમેપ કે સદસ્ય ઔર પદાર્થકિરણીયોને ને ભાગ લિયા હૈ। અતિથિઓને ને દીપ પ્રજાવલન કર કોન્ફ્રેસ કા શુભરાત્રી હૈ। રાજ્યોગ મેડિટેશન કા જ્ઞાન હમેં સત્ય સે પરિચય કરાતા હૈ। આજ હમેં અપની માનસિક, શારીરિક ઔર આધ્ય

# देशभर में उत्साह के साथ मनाया गया रक्षाबंधन, ब्रह्माकुमारी बहनों ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों को बांधा परमात्म रक्षासूत्र



गुगाहाटी, असम। राज्यपाल लक्षण प्रसाद आचार्य को राजभवन में गुगाहाटी की सब जोन इंचार्ज बीके जोनली ने राखी बांधी। इस दौरान बीके मौसमी बहन, बीके नेधवती बहन, बीके बंदना बहन, बीके मिंटू और अन्य लोग भी शामिल हुए।



शिमला, हिमाचल प्रदेश। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को शिमला पंथाघाटी सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी एजनी दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ज्ञान चर्चा की। इस मौके पर बीके सुनीता दीदी, बीके ओम प्रकाश, बीके दितू दीदी भी गौजूद रहीं।



गंगतोक, सिक्किम। राजभवन में राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर को बीके सोनम दीदी और बीके डिकी दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर राखी पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान माउंट आबू से आए बीके डॉ. बनारसी लाल शाह भी गौजूद रहे।



देहरादून, उत्तराखण्ड। राज्यपाल लेपिटेनेट जनरल गुरुनीत सिंह व उनकी धर्मपाली को बीके मंजू दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर राज्योग नेटिवेशन के बारे में बताया। साथ ही माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।



राजेंगण सिंही, महाराष्ट्र। देश के जाने-माने समाजसेवी पदाधिकारी अन्ना हंगामे को उनके निवास पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने राखी बांधकर ईश्वरीय सौगात प्रदान की। इस दौरान बीके डॉ. दीपक हरके भी गौजूद रहे।



रायपुर, छग। राज्यपाल रमेश डेका को इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी, रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, ब्रह्माकुमारी रमिंद्र दीदी और भावना दीदी ने रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं।



कर्नाटक, बैंगलुरु। रक्षाबंधन पर ब्रह्माकुमारीज के वीरीपुरम सबजोन की प्रभारी राज्योगिनी बीके अविका दीदी ने राज्यपाल थार कंध गहलोत को राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं। साथ ही सेवाओं को लेकर चर्चा की।



अमरावती, आंध्र प्रदेश। राज्यपाल अब्दुल नजीरजी को बीके शांता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ब्रह्माकुमारीज के मुख्यमन्त्री माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर अन्य वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनें भी गौजूद रहे।



चैलैंडर, तमिलनाडु। राज्यपाल आरेण रवि और लेटी गवर्नर लक्ष्मी रवि को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बीके बीना दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर अन्य वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनें भी गौजूद रहीं।



मथुरा, उत्तर प्रदेश। 167 बटालियन बीएसएफ, रिफाइनरी यूनिट सीआईएसएफ और पुलिस के जवानों को सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कृष्णा दीदी, बीके पूजा ने राखी बांधी। इस मौके पर कमांडेट राजीव कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी विशाल जोशी सहित जवान गौजूद रहे।



मोपाल, मध्य प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज की जोनल निदेशिका बीके अवधेश दीदी ने मुख्यमन्त्री डॉ. मोहन यादव को उनके निवास पर पूछुंचकर परमात्म रक्षासूत्र बांधा। इस मौके पर बीके डॉ. रीना दीदी, बीके रावेन्द्र भाई, बीके दीपेंद्र भाई, बीके राहुल भाई भी गौजूद रहे।



मुंबई, महाराष्ट्र। ब्रह्माकुमारीज योग भवन की अतिरिक्त निदेशिका राज्योगिनी ब्रह्माकुमारी शकु दीदी ने मुख्यमन्त्री एकनाथ शिंदे को परमात्म रक्षासूत्र बांध कर रक्षाबंधन के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं।



शिमला, हिमाचल प्रदेश। मुख्यमन्त्री सुखविंदर सिंह सुख्ख बीके ज्योति बहन, बीके सारिका बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया।



रायपुर, छग। मुख्यमन्त्री विशुद्धेव साय को ब्रह्माकुमारीज की रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा की। इस मौके पर अन्य बीके दरिम बहन व अन्य भाई-बहनें गौजूद रहे।



अमरावती, आंध्र प्रदेश। मुख्यमन्त्री चंद्रबाबू नायडू को ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय प्रभारी बीके शांता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर संस्थान द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवाओं के बारे में बताया। इस मौके पर अन्य बीके भाई-बहनें भी गौजूद रहे।

# पवित्र राखी से सजी कलाई



नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड़ग को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए ब्रह्माकुमारी सुनौला बहन। इस दैरान केंद्रीय मंत्री नड़ग ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की।



नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय सइक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को ब्रह्माकुमारी बहनों ने राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बहनों की सेवाओं को सराहा।



करनाल, हरियाणा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बीके उमिल बहन ने राखी बांध कर माउट आबू आने का विशेष निमंत्रण दिया। साथ ही संस्थान के सेवा कार्यों के बारे में बताया। इस पर मुख्यमंत्री ने खुशी जाहिर की।



देहरादून, उत्तराखण्ड। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राखी बांधने के पश्चात ईर्षणीय सौगत प्रदान करते हुए बीके मीना बहन, बीके शालू बहन, बीके श्रीकाली बहन, बीके दीपशिखा बहन, बीके मीनू बहन, बीके पूनम बहन एवं बीके सुरील माई।



बैगुसराय, बिहार। ब्रह्माकुमारीज दिव्य प्रकाश भवन लखीसराय द्वारा अलौकिक रक्षाबंधन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अधिकारी के रूप में पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिंहदा को सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कंघन दीदी ने राखी बांधी।



चैन्नई, तमिलनाडू। मुख्यमंत्री ऎमके स्टालिन को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए बीके ज्ञासी राधा। इस नौके पर अन्य बीके भाई-बहनों भी गौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था समाज कल्याण के लिए समर्पित संस्था है।



इटानगर, अण्णाचाल प्रदेश। मुख्यमंत्री पेमा खांडू को राज्योगिनी बीके जुनू दीदी ने रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दी। इस नौके पर बीके पो. जयदेवा साहू, बीके अनिमा बहन, बीके ज्योतिष दीयू त अन्य लोग भी गौजूद रहे।



बैगुसराय, बिहार। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह को सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कंघन दीदी ने अलौकिक रक्षाबंधन का रक्षय बताते राखी बांधी। इस दैरान मंत्री सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज में आकर अद्भुत शारीरी की अनुभूति होती है।



दोलेश्वर, बिहार। भारत सरकार के केंद्रीय जलश्वित राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण धौधरी को उनके निज निवास पर ब्रह्माकुमारी कुंदन बहन ने आत्म-सृजनी का तिलक लगाकर राखी बांधी और ईर्षणीय सौगत प्रदान की।



मुंबई। प्रसिद्ध बॉलीवुड निर्देशक राजकुमार संतोषी ने ब्रह्माकुमारीज योग भवन का दैरा किया। इस दैरान डॉ. बीके नलिनी दीदी ने रक्षासूत्र बांधा। नीडिया विंग के राष्ट्रीय समन्वयक बीके निकुंज भाई भी गौजूद रहे।



लखनऊ, उत्तर प्रदेश। राज्योलाल आनंदीरेन पटेल को लखनऊ के सेवाकेंद्रों की प्रभारी बीके राधा दीदी ने रक्षाबंधन में परमात्म रक्षासूत्र बांधा। इस दैरान बीके मंजू दीदी, बीके शिशा दीदी, रवीन्द्र अग्रवाल, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, गोरु भाई भी गौजूद रहे।



कोहिमा, नागालैंड। ब्रह्माकुमारीज के सेवाकेंद्र की संचालिका बीके रुपा दीदी ने राज्योलाल श्री ला गोपेश्वर को राखी बांधी। साथ ही संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया। राज्योलाल ने रुपा दीदी का सम्मान किया।



सोनभद्र, मध्य प्रदेश। भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ब्रह्माकुमारी छाया बहन ने रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभ कामनाएं दी। साथ ही राज्योलाल गेंटिलेन के बारे में बताया।



गुंबरी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्घव ठाकरे और सामना अखबार के संपादक संजय रात को बीके प्रभिला दीदी ने रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दी। साथ ही संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया।



गिरावणी, हरियाणा। राधाख्यानी सत्यंग के प्रमुख संत कंवर साहेब महाराज को माउट आबू से पहुंची बीके बहन अदिति ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा। साथ ही सना को संबोधित करते हुए परमात्मा का दिव्य सदेश दिया।

# बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

शिव आमंत्रण, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश

अचानक आई बाढ़ और भारी बारिश के कारण शहर का लगभग 40% हिस्सा ढूब गया। घर दस फीट तक बारिश के पानी में ढूब गए। विजयवाड़ा के नागरिकों ने अपनी सभी ज़रूरी चीज़ें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, खाने-पीने की चीज़ें आदि खो दी हैं। इस स्थिति में ब्रह्माकुमारीज संगठन की ओर से जरूरतमंदों की मदद के लिए मदद के हाथ बढ़ाए गए।

विजयवाड़ा केंद्रों की प्रभारी बीके शांता दीदी के नेतृत्व में भाई-बहनों ने बाढ़ प्रभावितों को आवश्यक खाद्य सामग्री (दाल, आटा, चावल, मसाले), कपड़े, प्लास्टिक की वस्तुएं और अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान की। साथ ही परमात्मा का संदेश भी साझा किया। पार्षद महादेव अप्पाजी राव ने भी सभी को प्रेरित किया।

बीके शांता ने आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। बीके पद्मांजी बहन, बीके जया बहन और बीके सिंधु लता



बहन ने परमात्मा का संदेश दिया। साथ ही सभी को ध्यान करवाया। विजयवाड़ा में बीके परिवारों ने भी अपनी सभी आवश्यक वस्तुएं, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

आदि खो दिए हैं। आंध्र प्रदेश में हमारे अन्य बीके परिवार भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सहयोग कर रहे हैं।

## शिवहर कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित



शिव आमंत्रण, शिवहर/सीतामढ़ी, बिहार। शास. इंजीनियरिंग कॉलेज शिवहर में मानसिक स्वास्थ्य जागृति विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके सीतामढ़ी सेवाकेंद्र संचालिका बीके बंदना बहन, शिवहर की संचालिका बीके भारती बहन, बीके आमोद, बीके डॉ. उदय शंकर, प्रिसिपल डॉ. प्रो. कृष्णपेंद्र चौधरी, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर राजू शर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे।

## झारखण्ड के नए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से की मुलाकात



रांची। झारखण्ड के नए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से ब्रह्माकुमारीज की निदेशिका बीके निर्भला दीदी ने मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। साथ ही मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में भी रुकुरु कराया।

## ब्रह्माकुमार किसान भाइयों ने रासायनिक खेती छोड़ अपनाई यौगिक खेती

शिव आमंत्रण, बेंगुसराय, बिहार। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा जिला कृषि कार्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र, बेंगुसराय के संयुक्त तत्वावधान में जिले के सभी कृषक भाइयों के लिए योग एवं जैविक खेती का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। माउंट आबू से आए ब्रह्माकुमारीज कृषि विभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी राजू भाई ने कहा कि आबू में 100 एकड़ से भी अधिक जपीन पर यौगिक खेती के द्वारा ऐसे फसल उगाए हैं जो अमौर पर राजस्थान में उपजाए नहीं जाते हैं। बिहार के भगवानपुर प्रखण्ड में 10 एकड़ जमीन लेकर ब्रह्माकुमारीज ऐसा ही प्रयास कर रही है।

भीनमाल से पधारी बीके गीता दीदी ने बताया कि थोड़े से धन के लालच में कैसे भारत के किसान भाई रासायनिक खेती और हानिकर कीटनाशकों का प्रयोग करने को मजबूर हो रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्था के कुछ वर्षों से विशेष राजयोगी किसान ने



ऐसी जानलेवा खेती को छोड़ कर जैविक खेती के साथ-साथ यौगिक खेती को अपनाया जिसका सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। पटना से आए बीके संजय ने कहा कि भारत में आदि काल के दौरान जैविक खेती ही होती है लेकिन उर्वरक बनाने वाली

कम्पनियों के बातों में आकर किसानों ने कृतिम खेती को अपना लिया है। बेंगुसराय सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष नंदेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामपाल ने भी संबोधित किया। संचालन सेवाकेंद्र संचालिका बीके कंचन दीदी ने किया।



शिव आमंत्रण, जयपुर। लब्जोन प्रभारी राज्योगिनी बीके सुषमा दीदी ने अंतर्राष्ट्रीय संत स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज, साक्षी भगवती सरस्वती श्रीपैरीवाल इंटरनेशनल स्कूल, महापुरा में आयोजित सर्व मंगलाय सजातान धर्म फाउंडेशन के शुभांग समाजोह में मुलाकात की।



शिव आमंत्रण, जयपुर। राज्योगिनी सुषमा दीदी ने राज्यपाल हरिहार किसनाल बागड़ से शिष्टाचार मेंट की। इस दौरान आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों का आदान-पदान हुआ। उन्होंने राज्यपाल को गणेश घर्तुर्थी की शुभकामनाएं, ईश्वरीय सौगत और प्रामु प्रसाद मेंट किया।



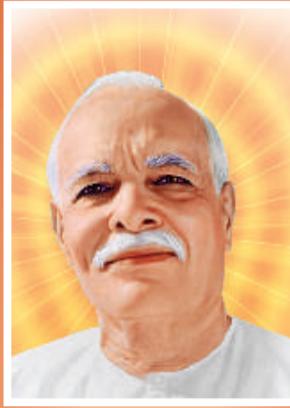
शिव आमंत्रण, अंबिकापुर। छोटीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से अंबिकापुर की निर्देशिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी एवं अबू भाई-बहनों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री को ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया।



शिव आमंत्रण, अलीराजपुर, जा। शारीरिक श्रीति से ख्यात रहने के लिए मेडिटेशन हमें शक्तिशाली बनाता है। यह विचार इंदौर से पधारे धार्मिक प्रभाग के जोनल को-ऑर्डिनेटर बीके नारायण भाई ने अलीराजपुर पुलिस थाने में कार्सेल को तनाव मुक्त जीवन व शारीरिक फिटनेस के लिए मेडिटेशन विषय पर संबोधित कर रहे थे। बीके ज्योति बहन ने मेडिटेशन कराया।



शिव आमंत्रण, विदिशा, मप्र। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र ए-33 मुख्यजी नगर द्वारा पीएमसी केंद्रीय विद्यालय में नशाकुरत भारत अनियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्राचार्य गीता भद्रिया को ईश्वर सौगत देते हुए बीके लक्ष्मणी दीदी, बीके रेखा दीदी, बीके आशीष भाई, बीके श्याम भाई आदि।



प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक,  
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय  
विश्व विद्यालय, माउंट आबू

वार्षिक में गीता-ज्ञान  
परमपिता परमात्मा शिव  
ने कलियुग और सत्युग  
के संगम समय पर  
अवतरित होकर दिया।

## 1953 में जब गीता जयंती पर पुस्तिका छपवाई...

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

**ईश्वरीय सेवा के विभिन्न कार्यक्रम:** अब स्थान-स्थान पर भाषणों द्वारा दीपावली, महाशिवरात्रि, रक्षाबन्धन, जन्माष्टमी, होली आदि-आदि विशेष उत्सवों पर विशेष आयोजनों द्वारा तथा ईश्वरीय सेवा-स्थानों पर नित्यप्रति प्रातः, सायंकाल तथा दिन-भर ज्ञान की क्लासों द्वारा, और भी कई तरह से ईश्वरीय सन्देश लोगों तक पहुँचाने का यत्न किया जाता था। जो भी पुस्तक-पुस्तिका, फोलडर आदि छपाये जाते थे, उनकी एक-एक प्रति पत्र सहित सभी प्रदेशों, देशों और विदेशों के राजाओं-महाराजाओं को, भारत के विभिन्न नेताओं को, देश-विदेश की विख्यात लाइब्रेरियों को, विश्वविद्यालयों को, धार्मिक सभाओं आदि-आदि को भेजी जाती थी।

उदाहरण के तौर पर जुलाई, सन् 1953 में अन्य महाराजाओं के अतिरिक्त नेपाल के महाराजा को भी साहित्य भेजा गया तथा दिसम्बर 1953 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ। राजेन्द्र प्रसाद जी को आबू में राजस्य अश्वमेध अविनाशी ज्ञान-यज्ञ में पधारने के लिए ईश्वरीय निमन्त्रण भी दिया गया। उन्होंने इसके लिए धन्यवाद तो लिख भेजा परन्तु वे आये नहीं। जुलाई 1953 में नेपाल सेना के मेजर जनरल सुरा जंग बहादुर राणा तथा सेनाध्यक्ष कमाण्डिंग जनरल

हिरण्य शमशेर जी के पत्र भी आये थे, जिनमें उन्होंने बाबा के प्रति बहुत ही स्नेह एवं सम्मान व्यक्त किया था।

24 जुलाई, 1953 को ब्रह्माकुमार विश्व किशोर जी के नाम नेपाल से पत्र आया था, जिसमें लिखा था कि 'महाराज भीरन शमशेर जंग बहादुर राणा की ताजपोशी के अवसर पर दादा लेखराज महाराजा के एक मान्य अतिथि थे और इसलिये वे राज्यकुल एवं राजा के निकटम दायरे में सम्मिलित थे। महाराजा के पोते, मेजर जनरल सुबरना शमशेर जंग राणा के विवाह के अवसर पर दादा लेखराज का खिंचा हुआ एक फोटो जिसमें वे राजबांधी में बैठे हैं और राज्यकुल के सुरक्षा सैनिक उनके पीछे हैं।

**गीता जयंती पर गीता के भगवान के बारे में स्पष्टीकरण:** दिसम्बर, 1953 में 'गीता जयंती' के अवसर पर एक पुस्तिका हिन्दी और अंग्रेजी में छपवाकर आचार्यों, विद्वानों तथा जन-साधारण को बांटी गयी। उन्हीं दिनों ईसाई लोग भी मुम्बई तथा अन्य नगरों में 'मेरी' का वार्षिकोत्सव मना रहे थे। दिनांक 4 और 7 दिसम्बर, 1953 को मुम्बई से प्रकाशित होने वाले पत्र, टाइम्स ऑफ इण्डिया में 'ईसाई' और 'मेरी' के जो चित्र प्रकाशित हुए थे उनमें ईसा को मोर-मुकुटधारी दिखाया गया था। अतः अब ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से जो पुस्तिका छपवाई गई, उसमें बताया गया कि कैसे आज

भारत के लोग परमपिता परमात्मा के दिव्य नाम, दिव्य धार्म और दिव्य कर्तव्यों के यथार्थ ज्ञान से अपरिचित हैं और अपने आदि सनातन देवी-देवता धर्म को भी नहीं जानते बल्कि स्वयं को 'हिन्दू' मानते हैं जबकि वास्तव में हमारे धर्म का नाम 'हिन्दू' नहीं है। उस पुस्तिका में अनेक युक्तियों से यह भी बताया गया था कि यद्यपि आज प्रायः लोग मानते हैं कि गीता का ज्ञान भी कृष्ण ने दिया था तथापि सत्यता इससे भिन्न है। यदि सचमुच भावान मोर-मुकुटधारी, सजे-सजाये श्री कृष्ण के दिव्य रूप में प्रगट होते तो श्रीमद्भगवद्गीता, महाभारत आदि ग्रन्थों में यह क्यों लिखा होता कि 'मुझे साधारण तन में देखकर मूढ़मति लोग मनुष्य-तन में आये हुए मुझ परमात्मा को तुच्छ समझते हैं और कंस, शिशुपाल आदि ने उन्हें गालियाँ दीं और अर्जुन क्यों कहता कि मुझे आप अपने दिव्य एवं मोहिनी रूप का दर्शन कराओ जबकि मनमोहन रूप में श्रीकृष्ण सामने थे ही? इस पुस्तिका में यह स्पष्ट किया गया है कि श्रीराधा और श्रीकृष्ण तो वास्तव में द्वापरयुग में नहीं, बल्कि सत्ययुग के आरम्भ में हुए जिनका नाम स्वयंवर के पश्चात श्रीलक्ष्मी और श्रीनारायण हुआ। वास्तव में गीता-ज्ञान परमपिता परमात्मा शिव ने कलियुग और सत्ययुग के संगम समय पर प्रजापिता ब्रह्मा के साधारण मानव तन में अवतरित होकर दिया। क्रमशः

### प्रेरणापुंज

## इच्छाएं खत्म करके ही हम योगी बन सकते हैं

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

आज कल योग की बड़ी गहराई है मैं आत्मा हूँ, परमात्मा की संतान हूँ, सिर्फ यह समझने से योगी नहीं बन जाते। अन्दर की इच्छायें ममतायें खत्म करने से योगी बनते हैं। योग से यह खत्म हो जाती है। इच्छाओं को त्याग भगवान के बन गये हैं, तो जितनी चाहे उतनी ऊँची तकदीर की लकीर खींचो, वह तुम्हारे हाथ में है। बाबा ने किंचड़ से निकाला, अपना बनाया

फिर भी कीचड़ से कोई प्रीत रखे, कोई व्यक्ति या चीजें खींचे तो एक म्यान में दो तलवारे नहीं ठहर सकती। बाबा एक है लेकिन रस सब देता है। वह सब अनेक हैं, परन्तु एकरस रहने नहीं देंगे। स्थिति एकरस रहे, एक का रस लेते रहे यह भाग्य है। योग माना जो मुझ आत्मा को चाहिए, सुख-

होती है। ज्ञान लिया बनने के लिए जितनी पढ़ाई में ध्यान दो तो लगता है मेरी कमाई हुई। वह पढ़कर पीछे कमाते, हमारी कमाई साथ-साथ है। परन्तु कोई पढ़ाई पढ़ते कमाई करते, कोई लड़ाई शुरू कर देते। पढ़ाई माना ही तू मन को शान्त कर, बुद्धि को परमात्मा में एकाग्र ममताओं से प्रीत कर तो खुशी है। शांति का संसार, कोई चिंता फिकर कर, इच्छाओं, अन्दर सुख- नहीं, उपाधि नहीं अचलघर बन गये। इस शरीर जैसे अचल घर में बैठती है। अचल में आत्मा माना जो कभी चलायमान न हो। अडोल उसको कहा जाता जो कभी डोलायमान न हो, घबराये नहीं। क्या होगा कैसे होगा? नाहीं। अन्दर शक्ति नहीं है तो कोई भी बात में की अपनी चलायमान हो जायेगा।

जो सच्चा होगा। उसे कोई भी मोहिनी रूप दिखावे, वह चलायमान नहीं होता, जान जगह चली गई तो पद भी गया। विनश्यन्ति। वह सूर्यवंशी से सीधा चन्द्रवंशी में चला गया। स्वधर्म में टिकना, अपने निज स्वरूप में रहना, बाबा के साथ सच्चा संबंध रखकर श्रीमत पर चलना माना सहजयोगी बनना। जिसको और कोई चीज नहीं खींचता उसको बाबा खींचता है। बाबा के सिवाए और कोई कोई उसका नहीं। अन्दर से पक्का है मैं बाबा का हूँ, बाबा आपेही खिलायेगा। पवित्रता और स्वच्छता इतनी जो कोई कामना, ममता नहीं। जहाँ भी है हम सफाई करना जानते हैं। हाथों में सफाई करने की आदत है। खाना खाओ बड़ी स्वच्छता से खाओ।



राजयोगिनी दादी जानकी,  
पूर्व मुख्य प्रशासिका,  
ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

### अव्यक्त इथारे

## अंतर्मुखी बनकर ही बेहद के बैटारी बन सकेंगे

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

कई कहते हैं दो हजार तक तो चलेगा, और दो हजार तक वर्ल्ड का विनाश हो लेकिन तुम्हारा विनाश कब होगा वह डेट है? बाबा तो कहता है मैं डेट कान्सेस बनाऊँगा ही नहीं। इतना भी बाबा ने कहा अगर किसको पूछना है तो भले मेरे ज्योतिषी बच्चों से पूछो। उन्हों का काम वह करेंगे। मैं भी वहीं काम करूँ जो ज्योतिषियों का है। मैं यह करने वाला हूँ ही नहीं, सीधा जबाब बाबा

ने दिया। मुझे डेट कान्सेस बनाना नहीं है। मैं सोल कान्सेस बनने आया हूँ, इसलिए एवररेडी रहो। माना क्या डेट देखनी है -

- दो हजार, तीन हजार, चार हजार विनाश तो जब होना होगा, हो जायेगा, मैं पहले एवररेडी रहूँ।

एवररेडी रहना माना आलस्य और अलबेलापन छोड़ना। रॉयल

रियलाइज करो अपने को, अपने द्वारा औरैं को आपे ही पहुँचेगा। बस, अन्तर्मुखी हो जाओ। बाहरमुख से सब देख लिया, अब इससे बेहद का वैराग्य। मैं और मेरा बाबा, बस। बाबा दे रहा है और मैं ले रहा हूँ और जो ले रहा हूँ हूँ वह नेचरल है दूसरों तक जायेगा। जैसे सूर्य है उससे किरणें नहीं फैलें, यह हो ही नहीं सकता। अगर मेरे में शक्ति है, हमारी शक्ति नहीं फैले - यह हो ही नहीं सकता। जब प्रकृति की लाइट फैलती है, मैं तो रचता हूँ क्यों नहीं मेरे वायब्रेशन लाइट-माइट क्यों नहीं फैलेंगी। थोड़ा सा अन्तर्मुखी होकर इस बात के ऊपर हम सभी का अटेन्शन जाना चाहिए और जायेगा तो अपना ही फायदा है। नुकसान भी अपना है, फायदा भी अपना है। कियों में सहनशक्ति है, सहन करते रहते हैं। लेकिन सहन करना भी दो प्रकार से होता है। एक होता है मजबूरी से सहन करना, एक होता है बाबा की आज्ञा है कि तुम्हों सहनशक्ति धरण करना है। तो अगर हम बाबा की आज्ञा मानते हैं तो उसकी खुशी हमारे अन्दर आ जाती है। मजबूरी से करते हैं तो अन्दर रोते रहेंगे बाहर से सहन करते रहेंगे। उसका फल नहीं मिलेगा, खुशी नहीं होगी। और सचमुच बाबा की श्रीमत समझ कर हमने सहन किया तो उसी समय खुशी होती है। भले लोग समझे कि इसकी हार हुई, इसकी जीत हुई है। लेकिन वह हार भी हमको खुशी दिलाती है, क्योंकि परमात्मा के आगे तो ठीक रही। चलो उसने मेरे को समझा कि यह तो ढीली है, यह तो सामना कर ही नहीं सकती है। इसने हारा मैंने जीत लिया। चलो जीत लिया लेकिन परमात्मा के आगे तो मैंने जीता ना। क्रमशः

रूप में भी अलबेलापन आ जाता है। अलबेलापन वाला अलर्ट कभी नहीं हो सकता है। जो चाहे वह करके दिखावे, वह नहीं हो सकता है। इसलिए बाबा ने कहा - चाहना और करना एक करो। अभी अपने में लग जाओ। दूसरों को बहुत देख लिया, बहुत सुन लिया। अपने में मग्न हो जाओं बस, अपी तो बाबा का एम ही यह है - अपनी घोट तो नशा चढ़े। अपना मनन, अपना शुभ चिन्तन, अपना रियलाइजेशन। समय पूछकर आना नहीं है और समय के ऊपर आधारित होंगे तो रिजल्ट हमारी अच्छी नहीं होगी। इसलिए रियलाइजेशन शब्द को अण्डरलाइन करो।

## शिक्षक दिवस : छतरपुर सेवाकेंद्र पर शिक्षाविदों का किया सम्मान

# सही शिक्षक विद्यार्थी के अंदर छिपी प्रतिभा को निखारने, आगे बढ़ाने और प्रेरित करने का कार्य करता है: बीके शैलजा दीदी

शिव आमंत्रण, छतरपुर, मप्र

जिसमें जो क्षमता और प्रतिभा है उसे पहचान कर उसे दिशा देकर आगे बढ़ाना, यह सही शिक्षक का काम है। एक महान शिक्षक केवल अच्छी-अच्छी बातें करके अपने लिए ताली बजावाकर केवल इंप्रेस करने का कार्य नहीं करता है, बल्कि वह इंस्पायर करता है वह प्रेरित करता है बच्चे को कि कैसे वह सहज रूप से आगे बढ़ सकता है।

उक्त उद्धार ब्रह्माकुमारीज किशोर सागर में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शिक्षाविदों के सम्मान समारोह में छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने व्यक्त किए। एक्सीलेंस स्कूल प्राचार्य एस्के उपाध्याय ने कहा कि भगवान जिस पर सभसे अधिक भरोसा करता है उसे वह शिक्षक बनाता है। इसलिए हमारा फर्ज है कि हमें हर बच्चे के अंदर अपने बच्चे या बच्ची का रूप देखना है। जिस प्रकार हम अपने बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए सभी प्रयास करते हैं उसी प्रकार हमें अन्य बच्चों के लिए भी वही प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों ने



एक सुर में एक ही बात का संकल्प लिया कि हमें बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों का ज्ञान भी देना है और अपने श्रेष्ठ चरित्र से चरित्रवान नागरिक का निर्माण करना है। जिस प्रकार हम अपने बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए सभी प्रयास करते हैं उसी प्रकार हमें अन्य बच्चों के लिए भी वही प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों ने

शाला राजापुरवा की प्रभारी प्रियंका खरे, माध्यमिक शाला इकारा के शिक्षक रामपाल बट्टी, शिक्षक पंकज चौके, महाराजा छत्रसाल बुद्देलखड़ यूनिवर्सिटी गेस्ट फैकल्टी रूपाली पंसारी, शिक्षिका आविधा अग्रवाल, कमला खरया, गोपीचंद गुप्ता, हरकुंवर सहित सभी शिक्षकों को बीके रम दीदी एवं बीके रीना दीदी द्वारा क्रमानुसार प्रज्ञनन किया गया।



अलीराजपुर, मप्र। शिक्षक दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में अलीराजपुर-झाबुआ-रत्लाम सांसद अनीता नागर सिंह चौहान, ब्रह्माकुमार नारायण भाई, पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास, अषाड़ा राजपूत समाज अध्यक्ष रिकेश तंवर, कवियत्री सुरभि जैन और ब्रह्माकुमारी माधुरी बहन ने संबोधित किया।



कादमा, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज व ग्राम पंचायत रामबास द्वारा शिक्षक दिवस पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबास में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें एसडीएम बाढ़ा सुरेश दलाल, बीके वसुथा, सरपंच सुशीर शर्मा, हरपाल आर्य, प्राचार्य यशपाल यादव ने शिक्षकों का सम्मान किया।



चक्रधरपुर (झारखण्ड)। ब्रह्माकुमारीज पाठशाला की संचालिका बीके मानिनी बहन ने पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य विश्वनाथ हांसदा से मूलाकात कर परमात्मा का स्मृति चिंह प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। बीके मुस्कान, संगीता बहन, गीता बहन व अन्य मौजूद रहे।



इंदौर, मप्र। मैरियट होटल में आयोजित समारोह में भीनमाल, राजस्थान की प्रभारी बीके गीता दीदी को भारतश्री अवार्ड से नवाजा गया। इस मौके पर मार्शल शशि खर चौधरी, बॉलीवुड एक्टर राजीव वर्मा, मीर रंजन नेगी, नव्या गुप्ता की सीईओ नेशनल आर्टिस्ट गोल्ड मेडलिस्ट पूर्वी अग्रवाल भी मौजूद रही।

## शिक्षा रत्न सम्मान पुरस्कार व सम्मान पत्र वितरण समारोह आयोजित

# शिक्षक मूल्यनिष्ठ होंगे तो बच्चों में भी मूल्यों का सृजन होगा

शिव आमंत्रण, मुलुंड, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज के मुलुंड सबजोन द्वारा चंदनबाग स्कूल के मैदान में शिक्षा रत्न सम्मान पुरस्कार एवं सम्मान पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें 25 से अधिक प्रधानाध्यार्थ और 125 से अधिक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में दंपत्ति सांसद जीवन दीना पाटिल ने शिक्षकों के सम्मान को सराहा और ब्रह्माकुमारी संस्थान के कार्यों में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मुलुंड सबजोन की निदेशिका डॉ. बीके गोदावरी दीदी ने कहा कि आपके पास यह अद्वितीय अवसर है कि बच्चों को सही दिशा में मार्गदर्शन दें, उन्हें मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करें और इस प्रकार देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखें। जब शिक्षक स्वयं में मूल्यों का सृजन करते हैं, तभी वे छात्रों के जीवन में उन मूल्यों का संचार



कर सकते हैं। यही मार्ग हमारे राष्ट्र को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा। राजयोगिनी डॉ. बीके लाजवंती दीदी ने कहा कि आज के तेजी से बदलते समय में आध्यात्मिक विकास और आत्म-परिवर्तन की आवश्यकता है। डॉ. बीके सरला बहन ने कहा कि गुरु वह है जो गैरव प्रदान

करता है, टीचर मां का दूसरा रूप होती है। टीचर संस्कारों का सिंचन करती है और जीवन जीना सिखाती है। प्रो. डॉ. अनाया थाटे ने ब्रह्माकुमारी से जुड़े अपने अनुभव संज्ञा किए और बताया कि कैसे संगीत ने उन्हें भगवान के करीब लाया और काम को निष्ठापूर्वक करने के लिए प्रेरित किया।



शिव आमंत्रण, राजकोट, गुजरात। शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान पंचायील सेवाकेंद्र पर किया गया। गुजरात जोन की निदेशिका बीके भारती दीदी ने कहा कि ज्ञान विवेक को जागृत करता है और बुद्धि सभी गुणों को सीधता है। बीके किंगल दीदी और ब्रह्माकुमारी अंजू दीदी ने भी संबोधित किया। पंचायील स्कूल, कृष्णा स्कूल, डोलकिया स्कूल और सरोजिनी नायडू गल्फ स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित किया गया।



शिव आमंत्रण, झोपाल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज के ल्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र पर शिक्षक दिवस पर शिक्षाविदों का सम्मान किया गया। प्रभारी बीके डॉ. रीता दीदी ने ने कहा कि शिक्षक सम्मूर्ण देश के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। शिक्षक एक मार्गदर्शक के रूप में, विद्यार्थियों को अधिकारी के ऐसे नेतृत्वकर्ता के रूप में बालते हैं, जो भारत देश के विकास को नया आकार दे सकें।



शिव आमंत्रण, जबलपुर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज के नेपियर टाउन शिव स्मृति भवन में शिक्षक महोत्सव आयोजित किया गया। इंडिया बुक रिकॉर्ड में नाम दर्ज राजयोगी बीके भगवान भाई, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी जी, प्राचार्य भरत पाल, बीके भावना दीदी ने संबोधित किया।



शिव आमंत्रण, नरसिंहपुर, मप्र। संस्कार भवन सेवाकेंद्र पर शिक्षक दिवस पर नगर के प्रबुद्ध शिक्षाविदों का सम्मान किया गया। इसमें बीके कुमुद दीदी ने कहा कि शिक्षकों के भी एक शिक्षक परमपिता एवमान हैं जो कि वर्तमान में प्रजापिता ब्रह्मा के तन में अवतरित होकर ब्रह्माकुमारी बहनों को आध्यात्मिक शिक्षक बनाकर मूल्यनिष्ठ संसार के नवनिर्माण का कार्य कर रहे हैं। इस दौरान सेवानिवृत्त प्राचार्य एसएल दुबे, प्रो. डॉ. यतीर्द महोबे, प्रो. डॉ. धीरज झा, प्रो. चित्रा द्विवेत्री सहित अन्य शिक्षक गोजूद रहे।



शिव आमंत्रण, टोक, राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज के राजयोग भवन में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अपर्णा दीदी ने कहा कि शिक्षा ने आध्यात्मिकता के सामावेश से बच्चों की ऐतिहासिक उत्तमता भी हो सकती है जो वर्तमान समय के लिए बेहद अवश्यक है। जिला शिक्षा अधिकारी मीना लालारिया ने कहा सभी को मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करना चाहिए। लाँक अधिकारी सीताराम गुप्ता ने भी संबोधित किया।

मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने किया ध्वजारोहण

## ब्रह्माकुमारीज्ञ मुख्यालय में आन-बान-शान से फहराया तिरंगा, दीदी ने परेड की ली सलामी

शिव आमंत्रण, आबू एड

ब्रह्माकुमारीज्ञ मुख्यालय शांतिवन में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया। आन-बान-शान से तिरंगा फहराया गया। डायमंड हॉल के पीछे बनी स्टेज पर मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्त्री दीदी, कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मूल्यंजय भाई, मीडिया निदेशक बीके करुण भाई सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने ने तिरंगा फहराकर परेड की सलामी ली। इस दौरान कर्नल सती के नेतृत्व में परेड की गई।

मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्त्री दीदी ने कहा कि हमारे देश ने लंबे संघर्ष, हजारों लोगों के बलिदान के बाद यह आजादी पाई है। देश के अमर शहीद वीर जवानों के संघर्ष,



त्याग को कभी भूला नहीं जा सकता है। अब हम सबका कर्तव्य है कि इस आजादी के साथ देश के अंदर प्रेम, भाईचारे के साथ रहें। भारत को विश्व गुरु बनाने में अपना योगदान दें। आध्यात्मिकता हमारी धरोहर और पूजा है। ऐसी महान, पुण्य भूमि, परमात्म अवतरण भूमि पर हमने जन्म लिया है। अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि हमें गर्व है कि हम सभी भारतवासी हैं। भारत

को विश्वभर में ऊंची दृष्टि से देखा जाता है। कार्यकारी सचिव डॉ. मूल्यंजय भाई ने कहा कि अनेकता में एकता ही हमारी पहचान है। इतनी भाषाएं, संस्कृति, धर्म होते हुए भी हम भारतवासी एक हैं, क्योंकि हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की संस्कृति है। मीडिया निदेशक बीके करुण भाई ने कहा कि जैसे अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हैं, वैसे उन्हें निर्वहन करेंगे।



**दिल्ली।** पेरिस ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ियों का ब्रह्माकुमारीज्ञ ने स्प्रिंग विहार सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शीरा बहन, बीके डॉ. दीपक हरके और बीके विकास भाई ने मुलाकात कर सम्मान किया। शूटिंग में पदक जीतने वाली मनु भाकर का सम्मान करते हुए।



**छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश।** किशोर सागर सेवाकेंद्र द्वारा महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में भविष्य के पंडित, आचार्य, विद्वान् बच्चों के लिए रक्षाबंधन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीके रीना दीदी, बीके कल्पना दीदी ने रक्षाबंधन का महत्व बताया। प्रबंधक राजेश श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।



**बोरीवली वेस्ट, मुंबई।** बोरीवली वेस्ट सेवाकेंद्र द्वारा रक्षाबंधन पर्व पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रभारी बीके बिंदु दीदी ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताया। बीके श्रेया बहन ने राजयोग में डिटेशन का अभ्यास कराया। संचालन बीके शीतल बहन ने किया।



**सिंकंदरबाद, हैदराबाद।** राजनीति गोकुल ग्राम प्रकल्प के अंतर्गत ट्रेनर ट्रेनिंग का आयोजन कुषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा महादेवपुरम साइलेन्स रिट्रिट सेंटर में किया गया। बीके सुमंत भाई, बीके शशिकांत भाई, बीके चंद्रेश भाई, बीके मनीषा बहन ने ट्रेनिंग दी।

## इंडियन ऑफिल और ब्रह्माकुमारीज्ञ चलाएंगी नशामुक्ति अभियान

### मेडिटेशन से डिवलप होती है हमारी इनर पावर

शिव आमंत्रण, जयपुर, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज्ञ राजापार्क जयपुर एवं इंडियन ऑफिल कॉरपोरेशन लिमिटेड की सीएसआर पहल के अंतर्गत स्वास्थ्य जागृति हेतु नशा मुक्ति जागरूकता रथ रैली निकाली गई। मैंडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी भाई के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इंडियन ऑफिल कॉरपोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक आलोक कुमार पंडा ने कहा कि इंडियन ऑफिल के लिए एक गौरव का दिन है कि हम एक छोटे प्रयास के लिए ब्रह्माकुमारीज्ञ के साथ जुड़े हुए हैं। आज ब्रह्माकुमारीज्ञ संस्था को हमने दो बैन दी हैं। नशा आज शहर के साथ गांव में फैलता जा रहा है। नशामुक्ति की जागरूकता के लिए हमें एक माध्यम चाहिए

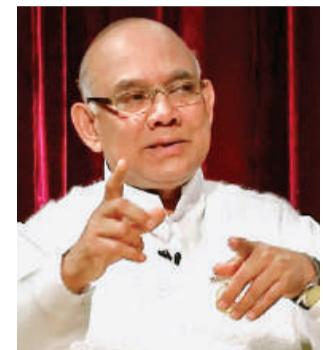


था तो ब्रह्माकुमारीज्ञ ने जो प्रस्ताव दिया, तो मैंने सोचा कि नशा मुक्त होने की जागृति पैदा करने के लिए इससे अच्छा और कोई माध्यम नहीं हो सकता है। बीके पूनम दीदी ने कहा कि मेडिटेशन से ही व्यसन मुक्त होता है। आत्म शक्ति बढ़ती है, दृढ़ता आती है तो व्यसन छोड़ना सहज हो जाता है। बीके भारत भूषण और बीके स्नेह दीदी ने भी विचार व्यक्त किए।

## समर्प्या- समाधान

### कल्याण की भावना सभी के लिए रखें

शिव आमंत्रण, आबू एड।



योग बल द्वारा अन्य आत्माओं की पालना करने, रहम दिल से, शुभ भावना शुभ कामना संपन्न संकल्प हर आत्मा के कल्याण प्रति निष्पार्थ और निमित्त भाव से करने से यह उन आत्माओं को डायरेक्ट टच होगा। उनको एक साक्षात्कार जैसा अनुभव होगा। अनुभव करेंगे कोई फरिश्ता आकर मुझे कुछ बोल रहा है। यह अंतः वाहक शरीर द्वारा सेवा योग बल से ही कर सकते हैं।

**बीजरूप स्टेज:** जबकि अभी यह सृष्टि रूपी झाड़ को परिवर्तन होना ही है। तो झाड़ के अंत में क्या रह जाता है? आदि भी बीज, अंत भी बीज ही रह जाता है। अभी इस पुराने वृक्ष के परिवर्तन के समय पर वृक्ष के ऊपर मास्टर बीजरूप स्थिति में स्थित हो जाओ। बीज ही ही -बिंदु। सारा ज्ञान, गुण, शक्तियां सबका सिंधु एक बिंदु में समा जाता है। इसको ही कहा जाता है-बाप समान स्थिति।

**एक परमात्मा को याद करें:** जब हमारी खुशी का पैमाना बढ़ा हुआ होता है, तब जीवन में आने वाली हर बड़ी नकारात्मक बातें या व्यवहार को भी हम नज़र अंदर जाएं और कर लेते हैं, लेकिन जब खुशी का पैमाना कम हो तो हर छोटी नकारात्मक बात या व्यवहार हमारे लिए बहुत बड़ी हो जाती है। अतः स्पष्ट है कि जीवन में आने वाली नकारात्मकता उतना महत्व नहीं रखती जितना महत्व हमारी खुशी के पैमाने का होता है। भक्तों का भी रक्षक भगवान अपने सभी बच्चों से कहते हैं बच्चे! मौत तो सबके सिर पर खड़ा है। इसलिए अब यह एक जन्म पवित्र बनो और बाप को याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। परमात्मा बाप की याद से ही विकर्म विनाश होंगे। और कोई गस्ता नहीं है - पतित से पावन बनने का। इस सृष्टि रंगमंच पर कर्मों का बहुत सूक्ष्म खेल चलता है, जिसे हर आत्मा पूरी तरह समझ नहीं पाती है कि जिस कारण वह अपना हिसाब-किताब बना लेती है। फिर उसे ही चुक्तु करना पड़ता है। जब हम किसी भी कर्मेन्द्रिय का प्रयोग करते हैं अर्थात् आँख द्वारा कुदृष्टि होती है, तो वो भी पाप कर्म बन जाता है। जबकि यह संकल्पों द्वारा किया गया पाप कर्म है जो कि योग द्वारा ही चुक्तु किया जा सकता है।

है। 1971 में पहली बार अव्यक्त मुरली में मैंने सुना कि बाबा ने याद दिलाया कि तुम भक्ति में कहते थे हे हे! भगवान जब तुम इस धरा पर आओ तो हमें अपना बना लेना। बाबा ने कहा कि इतना ही कहते थे न तुम बस। हमने तो कभी कहा भी नहीं था, बच्चोंकि हमने कभी भक्ति की नहीं थी। कहते होंगे भी भक्त लोग ऐसे। बाबा ने कहा देखो बाप ने क्या कर दिया। जो तुमने कहा था वह तो पूरा कर ही दिया कि मैंने तुम्हें अपना बना लिया।

## बोल के द्वारा किया गया पाप...

जब आप किसी भी विकारों में फंसी हुई कमज़ोर परवश आत्मा को कुछ ऐसी बात बोलते हों जो उसे चुप जाए अर्थात् वह दुःखी हो जाए तो वह आपका हिसाब-किताब बनता है, जिसको आपको शरीर द्वारा चुक्तु करना पड़ता है। इसलिए बाबा कहते हैं, बच्चे अब मुख द्वारा बोलना बन्द करो। अब जरूरत का ही बोलो। देखो बच्चे, कमज़ोर आत्मा तो पहले से ही अपने संस्कारों से परेशान है और वह उसे खत्म करना चाहती है और यदि आप भी सभी के बीच हल्की-सी भी कोई चुभती बात बोल देते हों तो वह एक बार दुःखी हो जाती है।

जोकि आपका हिसाब-किताब बन जाता है। इसलिए किसी आत्मा के शुभचिन्तक बन समझानी देनी भी हैं तो अकेले में बस एक ही बार दो। फिर उसे बाप हवाले कर दो अन्यथा आप छोटा-छोटा सा हिसाब-किताब बना लेते हों जो फिर चुक्तु भी तो करना पड़ेगा। अब जो समय जा रहा है वह केवल कर्माई का है इसलिए अब नया हिसाब-किताब बनाना बन्द करो और हर आत्मा के प्रति रहम, प्रेम और कल्याण की भावना रख मन्सा सेवा करो। इससे आपका दुआओं का खाता जमा होगा और आप जल्दी ही अपनी मिज़िल पर पहुंच जाओगे।

## राष्ट्रपति को बांधा परमात्म रक्षासूत्र



नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में ब्रह्माकुमारीज गुरुग्राम ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने राष्ट्रपति द्वौपटी मुर्मु को राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान राष्ट्रपति ने संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई को राखी बांधी।



पटना, बिहार। ओम शांति भवन कंकड़बाग सेवाकेंद्र की इंचार्ज बीके संगीता बहन ने राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आरलेकर को पवित्र रक्षा सूत्र बांध कर आत्म स्मृति का टीका लगाया।



रीवा, मप्र। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को रीवा क्षेत्र की संचालिका बीके निर्मला बहन ने राखी बांधकर संस्थान द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया।



जयपुर, राजस्थान। उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी को वरिष्ठ राजयोगी शिक्षिका बीके चन्द्रकला बहन, बीके एकता बहन एवं बीके सुनेहा बहन ने राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं।



देहरादून, उत्तराखण्ड। सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को बीके सोनिया बहन और बीके शानू बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा।



बीकानेर, राजस्थान। भारत सरकार के केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को बीके कमलबेन एवं अन्य बीके बहनों द्वारा राखी बांधकर राखी पर्व की शुभकामनाएं दीं।



जयपुर, राजस्थान। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को उनके निवास पर जयपुर सबजोन की निदेशिका बीके सुषमा दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।



मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को तुंबर्ड स्थित उनके निवास पर एहंगर बीके शत्रुघ्नी दीदी ने पवित्र राखी बांधी। साथ ही शुभकामनाएं देते हुए संस्थान की सेवाओं को लेकर चर्चा की।



बिलासपुर, छग। निशुल्क मल्टी स्पेशलिटी स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर के शुभारम्भ में पहुंचे उपमुख्यमंत्री अरुण साव को टिकारापारा सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके मंजू दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा।

## शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-

वार्षिक मूल्य □ 150 रुपए □ तीन वर्ष 450 रुपए  
□ आजीवन 3500 रुपए  
मो □ 9414172596, 8521095678

Website □ [www.shivamantran.com](http://www.shivamantran.com)

## पत्र व्यवहार का पता

संपादक □ ड्र.कृ. कोमल  
ब्रह्माकुमारीज, शिव आमंत्रण ऑफिस, शतिवन, आबू एड,  
जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510  
मो □ 8538970910, 9179018078  
Email □ [shivamantran@bkvv.org](mailto:shivamantran@bkvv.org)

## For online transfer

A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation  
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638  
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV,  
Shantivan, Abu Road, Rajasthan  
Note: On transfer please email details to:  
[shivamantran.acct@bkvv.org](mailto:shivamantran.acct@bkvv.org), Helpline: 6377090960



Scan To Pay

## महाराष्ट्र के नए राज्यपाल का किया स्वागत



शिव आमंत्रण, मुंबई। नेपेंसिया रोड सेंटर की सेंटर इंचार्ज बीके सुक्मिणी दीदी और बीके नेहा दीदी ने अन्य बीवी आईपी के साथ महाराष्ट्र के नए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का राजभवन, मुंबई में स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल को ईश्वरीय उपहार प्रदान कर ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही राज्योग मेडिटेशन को लेकर चर्चा की।

## आसाम और मणिपुर के राज्यपाल से की भेंट



शिव आमंत्रण, सारनाथ (वनारस), उप्र। आसाम और मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य से ब्रह्माकुमारीज के वरिष्ठ राज्योगी ब्र.कु. दीपेंद्र भाई, बीके राधिका बहन, बीके तापोशी बहन, बीके सरिता बहन, बीके विपिन भाई ने मुलाकात कर ईश्वरीय उपहार भेंट किया। साथ ही अथात्म को लेकर चर्चा की।

## श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर झांकी सजाई



शिव आमंत्रण, भागलपुर, बिहार। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर झांकी सजाई गई। प्रो. महेश राय, महापौर डॉ. पंजीकार, प्रो. महेश राय, राजयोगिनी बीके अनीता दीदी ने दीप प्रज्ञवलन कर झांकी का उद्घाटन किया। बीके मनीषा, बीके पूजा ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री कृष्ण एवं राधा की मनोरम झांकी में कु. शेरिया, पल्लवी, राशी, तासी आदि शामिल हुईं। वीणा पाणी डांस एकेडमी के कलाकारों ने डांस से सभी का मन मोह लिया।

## विद्यार्थियों को कराया नशामुक्ति का संकल्प



शिव आमंत्रण, बैतूल, मप्र। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत "द मानसरोवर" स्कूल में अवेयन्स प्रोग्राम का आयोजन किया गया। बीके सविता बहन ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की समझाइश देते हुए संकल्प दिलाया। साथ ही अपने आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ और नशामुक्त बनाने की समझाइश दी। इस दौरान बीके सविता बहन, बीके श्रद्धा बहन, मानसरोवर स्कूल की डायरेक्टर पुष्पलता साबते, प्रिंसिपल एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। स्कूल प्रबंधन ने मोमेंटो देकर ब्रह्माकुमारी बहनों को धन्यवाद दिया।

पुणे के जगदम्बा भवन में युवा सम्मेलन आयोजित, बीके चंद्रिका दीदी बोलीं-

## सदा याद रखें मैं यूनिक हूं, परमात्मा की डायरी में मेरा नाम लिखा हुआ है, तभी अंदर के हीरो को जगा सकते हैं

शिव आमंत्रण, पुणे, महाराष्ट्र

पुणे के पिसोली स्थित जगदम्बा भवन मैडिशन रिट्रीट सेंटर में संस्था के युवा प्रभाग द्वारा खुद के नायक स्वयं बनें विषय पर युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें युवा प्रभाग की उपाध्यक्षा ब्रह्माकुमारी चन्द्रिका दीदी ने कहा मनुष्य जीवन में सबसे मूल्यवान है - समय, लेकिन आज समय की कदर खास कर युवाओं में नहीं रही है। इसलिए वे अपने उद्देश्य से भटक रहे हैं।

दीदी ने अपना अनुभूति साँझा करते हुए कहा कि 14 साल की युवा उम्र में ही उन्होंने निर्णय कर लिया था कि वे अपना जीवन विश्व के लिए समर्पित करेंगे। भगवान की खोज के लिए वे प्रतिदिन 5 घंटे साधना करती थीं। उनकी खोज तब पूरी हुई जब वे संस्था के संपर्क में आई। आत्मनुभूति द्वारा उन्हें गहरी शांति की अनुभूति हुई और तभी निश्चय किया



कि जीवन ईश्वर को समर्पित करके विश्व सेवा करेंगी। उन्होंने कहा कि हमेशा याद रहे कि मैं यूनिक हूं। मेरे जैसी व्यक्ति ना पास्ट में हुआ है, ना फ्यूचर में होगा और ना ही वर्तमान में मेरे जैसा कोई और है। परमात्मा की डायरी में मेरा नाम लिखा हुआ है। तुलना में अपनी एनर्जी जो व्यथा जाती है, उसे बचाना है, तब हम अपने अंदर के हीरो को जगा सकते हैं। 35 ध्वनि और राजयोग ध्यान द्वारा दीदी ने

सभी को गहन शांति की अनुभूति कराई।

परिवर्तन सामाजिक संस्था के संस्थापक गुलाबराव पाटिल, शहर युवक व क्रीड़ा सेल कांग्रेस के अध्यक्ष आशुतोष शिंदे, पीयूष शाह, 11 वर्षीय 'थिकरबेल लैब' के ब्रांड एफ्बेसेडर वंडरबॉय प्रथमेश सिन्हा ने अपने विचारों से सभी युवाओं का दिल जीत लिया। जगदम्बा भवन की सह संचालिका ब्रह्माकुमारी शीतल बहन ने संस्था का परिचय दिया।

## राजऋषि गोकुल ग्राम प्रकल्प की ट्रेनर्स ट्रेनिंग आयोजित



नागपुर। राजऋषि गोकुल ग्राम प्रकल्प के अंतर्गत ट्रेनर्स ट्रेनिंग कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा ब्रह्माकुमारीज के नागपुर वर्धा रोड स्थित विश्व शांति सरोकर ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित की गई। इसमें मार्ट आवू से पथरे प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके सुमंत भाई, बीके शशिकांत भाई, राजऋषि गोकुल ग्राम परियोजना के समन्वयक बीके चन्द्रेश भाई, योगिक खेती की प्रणता कोल्हापुर से बीके मनीषा बहन, राजस्थान के जाहोता गांव के सरांच शाम प्रताप राठोड़ ने ट्रेनिंग में सभी को अपने अनुभवों से योगिक खेती की बारीकियों से रुक्ख कराया।

इस भौमि पर नागपुर डिवीजन के डिप्टी कमिशनर डेवलपमेंट कमल किशोर फुटाणे, इनकम टैक्स के एडीशनल कमिशनर ऋषि कुमार बिसेन, प्राकृतिक खेती के जिला अधीक्षक रविन्द्र मनोहरे, डॉ. एस राजपूत, कृषि रल अवार्ड विजेता डॉ. आरबी ठाकरे व ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय संचालिका ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी ने ट्रेनिंग का शुभांग कर सभा को संबोधित किया। बीके रजनी दीदी ने कहा कि योगिक खेती के प्रयोग से किसानों की तकदीर बदल जाएगी।

## हमारी शिक्षा ऐसी हो जो अच्छे चरित्र का निर्माण करे : कुलपति



रायपुर। ब्रह्माकुमारी के शिक्षाविद सेवा प्रभाग द्वारा शान्ति सरोकर रिट्रीट सेन्टर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसका विषय था- श्रेष्ठतम समाज के लिए मूल्य आधारित शिक्षा। इसमें हेमचन्द्र विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. अरुण पल्टा ने कहा कि हमारी शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो अच्छे चरित्र का निर्माण करे। आज समाज में अच्छे चरित्र की सबसे अधिक कमी जरूरत महसूस हो रही है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानन्द शुक्ल ने कहा कि शिक्षकों के अन्दर इन्हने नैतिक बल होना चाहिए कि वह दूसरों को प्रेरित कर सके। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के डायरेक्टर डॉ. एनवी रमना राव ने कहा कि बच्चों में जिम्मेदारी, सहानुभूति और दूसरों के प्रति आदर भाव पैदा करने के लिए नैतिक और सदाचारपूर्ण शिक्षा की जरूरत है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा, रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

## मीरजापुर : 250 किसानों का किया सम्मान

## किसानों को दिया यौगिक खेती का प्रशिक्षण

मीरजापुर, उत्तर। ब्रह्माकुमारी संस्था प्रभु उपहार भवन शुक्लहा मीरजापुर में योगिक खेती द्वारा सशक्त, समझदृष्टि एवं आत्मनिर्भर किसान विषय पर संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कृषि विभाग लखनऊ के सहायक निदेशक बद्री विशाल तिवारी ने योगिक खेती के अनुभवों को सांझा करते हुए कहा कि किसान भाई जब तक आत्मनिर्भर नहीं बनेंगे तब तक अर्थिक खुशहाली नहीं आएगी। अब समय आ गया है कि फिर से योगिक और प्राकृतिक खेती को अपनाया जाए। ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग से प्रशिक्षण लेकर अब तक 12 हजार से अधिक किसान सफलतापूर्वक योगिक खेती कर रहे हैं। प्रशिक्षण में 250



किसानों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारी, जॉइंट डायरेक्टर अशोक उपाध्याय, कृषि निदेशक विकेश पटेल, बीएचयू कृषि वैज्ञानिक श्रीराम सिंह

उपस्थित थे। बनारस जोन संचालिका बीके सुरेंद्र दीदी, प्रबंधक बीके दीपेंद्र भाई, बीके पंकज भाई और मीरजापुर सेवाकेंद्र की संचालिका बिंदु दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।



## नई राहें

बीके पुष्टेंद्र, संयुक्त संपादक  
शिव आमंत्रण, शांतिवन

## तमसो मा ज्योतिर्गमय

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान। तमसो मा ज्योतिर्गमय... यह श्लोक बृहदारण्यकोपनिषद से लिया गया है। इसका मतलब है अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ो, हमें असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर और मृत्यु से अमरता की ओर ते जाना चाहिए। हमारे प्राचीन धर्मग्रंथ, शास्त्र यही संदेश देते हैं कि जीवन एक दीपक की तरह हो, जो खुद जलकर सारे जग को रोशनी प्रदान करता है। दीपक सिखाता है कि अंधकार कितना भी धना वर्षों न हो, प्रकाश की एक किरण उसके गुमान को दूर कर देती है। जीवन में परेशनियों, कठिनाइयों और समस्याओं का कितना भी धना अंधेरा वर्षों न हो, आशा, विश्वास, हिम्मत और उमंग-उत्साह के पंख हमें जीने का हौसला देते हैं। दीपक कहता है- हम जितना जलेंगे, उतना जग का प्रकाशमान कर सकते हैं अर्थात् जीवन में जितना ऊंच, महान कर्म करना चाहते हैं, त्याग, तप, संयम के पथ पर चलना चाहते हैं तो खुद को कुंदन बनाने के लिए उतना ही सहन करना होगा।



दीपक, तेल की आखिरी बूंद तक जलता है और अंत में प्रकाश फैलाते हुए बाती तक को स्वाहा कर देता है। स्वयं जलना भी पड़े, सहन करना पड़े तो भी दूसरों को प्रकाशित करना चाहिए। जीवन की आखिरी सांस तक हमें दूसरों के लिए जीना है।

## दीपोत्सव पर जलाएं आत्म दीप-

दीपोत्सव पर सभी घर-घर में दीपक जलाते हैं और खुशियां मनाते हैं। क्यों न इस दीवाली अपने मन का दीप जलाएं। मन में जो आसुरीयता, दूषित-नकारात्मक विवार और कलुषित भावनाएं रक्क रक्क हैं उन्हें सदा-सदा के लिए विदाई दे दें। यह तभी संभव है जब हमारा आत्मदीप जगा हुआ हो। आत्म जेतना और आत्मिक ज्योति जली हुई हो। जीवन में स्वप्रेरणा और बदलाव की प्रबल इच्छा शक्ति ही प्रादुर्भाव लाती है। जब तक अंतमन में मन के विकारों और बुराइयों पर गहरा आधात नहीं किया जाता है वह बाहर नहीं निकल पाती है। इसके लिए हमें अपने आप की ओर विचारों की सतत निगरानी करते हुए संयम-नियम के साथ कार्य करना होगा। जब आत्मा सत्य ज्ञान के प्रकाश से आलोकित हो जाती है तो उसकी आभा और दिव्यता स्वतः दूसरों को रोशन करने लगती है।

## जीवन है उत्सव, उसे हर पल जोगा-

सत्यता और दिव्यता की शक्ति महान व्यक्तित्व का निर्माण करती है। ऐसे व्यक्तित्व और कृतित्व जग में प्रेरक, अनुकरणीय और आदर्शमूर्ति बनकर मनुष्य आत्माओं के लिए नई राह प्रशस्त करते हैं। सत्यता के बिना दिव्यता का प्रादुर्भाव नहीं हो सकता है। सच्चाई-सफाई और सादीयी की परिणीति स्वरूप दिव्यता स्वाभाविक रूप से प्रकट होने लगती है। दैवीगुणों की धारणा का संकल्प जब प्रबल रूप में कर्मों में परिलक्षित होने लगता है तो आत्मा देव स्वरूप के आभासंडल से ओतप्रोत होकर अन्य मनुष्यात्माओं के लिए प्रकाशपूंज, शवितपूंज बन जाती है। देवता सदा देते हैं, इसलिए उनके व्यक्तित्व और मुखमंडल में सदैव दिव्यता की झलक स्पष्ट नजर आती है। दातापन का भाव, भावना और सस्कार ही देवकुल की आत्मा के चिह्न हैं। राजयोग ही वह दिव्य ज्ञान और विद्या है जो आत्मा को दिव्य गुणों से शृंगारित करती है।

## जीवन है उत्सव, उसे हर पल जोगा-

जब घर में कोई उत्सव होता है तो हम अपने दुःख, दर्द, तकलीफ भूलकर उसे पूरी तन्मयता के साथ मनाते हैं। लोगों के साथ खुशियां बांटते हैं। उमंग-उत्साह के साथ तन-मन से प्रफुल्लित रहते हैं। क्योंकि उत्सव हमें निराशा से आशा की ओर ले जाते हैं। इसी तरह जीवन में जब उमंग-उत्साह प्रबल हो तो छोटी-मटी समस्याएं, परेशनियां नजर ही नहीं आती हैं। उन्हें हम यूं ही बिसारा देते हैं। उमंग-उत्साह जीवन में पंख की तरह होते हैं जो आसमान में उड़ने का होसला देते हैं। भले परिस्थितियां कितनी भी व

## जीवन प्रबंधन



### बीके शिवानी दीदी

जीवन प्रबंधन विदेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज्ञ की टीवी ऑडिकॉन, गुरुग्राम, हरियाणा

### आप बहुत खास हैं... अपनी खूबियों को पहचानें

## जीवन के हर क्षण में एनर्जी को महसूस करें...

शिव आमंत्रण, आबू रोड। पहले खुद से सवाल-दो मिनट के लिए शांति में बैठें। आप अपने आप को मस्तक में विराजमान एक ज्योति आत्मा देखें। शरीर रिलेस माइंड पीसफुल। खुद के बारे में चिंतन करें, चैकिंग करें अपने आप की। मेरी नेचर क्या है? अपने स्वभाव को चेक करें। अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग लोगों के साथ मेरा व्यवहार कैसा होता है। परिस्थिति अगर मेरे अनुसार नहीं होती तो मेरा रिक्वेशन कैसा होता है? कोई मेरा कहना नहीं मानता, कार्य मेरे अनुसार नहीं करता तो मेरा व्यवहार कैसा होता है? कोई मेरे साथ गलत करता है मेरे लिए बुरा कहता है तो मुझे कैसा लगता है? किसी को क्षमा करना किसी की बात को भूल जाना मेरे लिए कितना आसान है? आज अगर मुझे अपने अंदर कोई एक चीज परिवर्तन करना हो यानी कोई एक आदत बदलनी हो तो वह क्या होगी? हम किन्तु खास हैं कैसे समझें? युवा अपने मन से यह निकाल दें कि मुझमें यह कमी है, यह विशेषता नहीं है। आप सबसे पहले अपनी खूबियों की लिस्ट बनाएं, उन पर गर्व करना सीखें। आप इस दुनिया में सबसे खास हो, अपनी खूबियों को पहचानें।

### दूसरों को दोष न देकर, खुद को बदलें

आपने पहले खुद की चैकिंग की है? देखा जाए तो सारा दिन हम दूसरों की चैकिंग करते हैं। इनको ये बदलना चाहिए, इन्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए था, इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था, ये कोई बात करने का तरीका नहीं था। कितनी बार खुद के जीवन में कभी बैठ कर अपनी चैकिंग की? अगर किसी ने हमें कहा भी आपको ऐसा नहीं कहना था। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था। क्या मुझे उन्हें ऐसा कहना चाहिए था? कोई मुझे ऐसी राय दे रहा हो तो उनकी बात पूरी होने से पहले हम रिजेक्ट कर देते हैं और अपने व्यवहार को सिद्ध कर देते हैं कि मैं जो कहा जो मैंने किया, वह उस समय उस बात के लिए बिल्कुल सही था। मैं जो हूं जैसी हूं बिल्कुल सही।

अगर मेरे जीवन के अंदर ऐसी कोई आदत आ भी गई है। जैसे जोर-जोर से बोलने की, गुस्सा करने की, किसी की ग़लानी करने की, वो इसलिए आ गई कि वो लोग ही ऐसे हैं। अब शादी ही ऐसे लोगों से हुई अब क्या करें? १०-२०-३० साल से उनके साथ रहते-रहते चिड़िचिड़े हो ही जाना था और क्या होना था? भले पिछले ३० साल अपने ऐसे बीते। अगले ३० साल कैसे बीते वो हमारी च्वाइस है। पिछले ३० साल हमने इस बात में बिताए कि बिचारा मैं, ऐसी परिस्थितियां मेरे जीवन की। बिचारी मैं ऐसे व्यक्ति से मेरी शादी हुई। बहुत बिचारी मैं कि ऊपर से मुझे सास-ससुर और मोहल्ला भी कैसा मिला? तो ये कहते-कहते मैं अपना जीवन बिचारी मैं, बिचारा मैं करते-करते बिता दिया। जो कि खुद और दूसरे भी अपने को बिचारा-बिचारा

कहते रहते हैं। लेकिन अब ऐसे सोचना कि अब उनके साथ रहते हुए भी हम कुछ और हो सकते हैं। आज इसे पढ़ने के बाद उनके साथ-साथ ही चलेंगे।

### अपनी लाइफ को करें एंजॉय

आज एक संस्कार पक्का करें। आज हम अपने फोन को फोन के लिए यूज करेंगे। कैमरा के लिए नहीं। जब कोई ऐसे मौके पर जहां फोटो खींचनी होती है तो वहां फोटोग्राफर होता ही है। हम सबको फोटोग्राफर बनने की क्या जरूरत है? जिसका वो रोल वह रोल प्ले करे। हम लोग अपने लाइफ को इंजॉय महसूस करें। सिर्फ कैचर नहीं करते रहेंगे। हमें लगता है इन चीजों को कैचर करके हमेशा के लिए अपना बना लेंगे? सबकुछ कैचर करने के चक्कर में एक-एक दिन बीता जा रहा है। जो महसूस करने की प्रक्रिया थी वो धीरे-धीरे कम होती जा रही है। आजकल लोग फेसबुक पर हर चीज की फोटो डालते हैं। हम ये खा रहे हैं, हम यहां मार्केट में खबड़े हैं। फोटो निकाला हो गया एंजॉय?

### दिल के अनुभव से रिकॉर्ड करें खुशी के क्षण

आज फोन सभी अपने पास रखते हैं। क्या फोटो की जरूरत नहीं होती। क्यों जरूरत नहीं होती, फोटो का क्या करेंगे? रिकॉर्डिंग का क्या करेंगे? कुछ भी यूज नहीं होगा। आजकल हमें आदत पड़ी है कुछ भी होता है हम फोटो निकालना शुरू कर देते हैं। घर में कोई दृश्य हो रहा है। फोन निकाला फोटो-फोटो... क्योंकि आजकल कैमरा हमारे फोन में हमेशा साथ ही रहता है। फोटो खींचने से क्या होगा? वो ख्षण बीत जाएगा और उस ख्षण को अनुभव करने की बजाय हम सिर्फ फोटो खींचने में लगे रहेंगे। फिर फोटो खींचकर क्या करेंगे उसका? बाद में हम उस ख्षण की फोटो को देखेंगे। आपस में शेयर करेंगे। लेकिन दूसरे मेरे उस फोटो के क्षण को लाइक करें यह उमीद करते हैं। अगर दूसरों ने मेरे फोटो को लाइक नहीं किया तो मैं उनको भी लाइक नहीं करती। फिर ये सारा दौष उस फोटो का है? जीवन का हर ख्षण एनर्जी और वाइब्रेशन को महसूस करने के लिए है। फोटो में वो दृश्य आ सकता है फीलिंग नहीं आ सकती है। वो वाइब्रेशन नहीं आ सकती है। वो पल यहां दिमाग में फिट करना, वो फोन में नहीं फिट करना। अगर अभी यहां दिमाग में फिट नहीं हुआ तो बाद में नहीं होगा।

### खुशी के क्षण को अनुभूति करने पर मिलेगी खुशी

जितना हम टेक्नोलॉजी में फंसते जाते हैं उतना ही हम अपनी सारी एनर्जी दूसरी चीजों पर बहाते जा रहे हैं। न ही खुद की और न ही दूसरों की एनर्जी को महसूस कर रहे हैं। हम सिर्फ कृप्यटर और फोन के साथ बंधे हैं। इसलिए हमारी एनर्जी अंदर ही अंदर घटती जा रही है। इसलिए आज से एक पक्का आदत डालते हैं। सिर्फ जब बहुत जरूरी हो तभी कैमरा से फोटो खींचेंगे। नहीं तो यहां बैन में फोटो खींचेंगे। क्योंकि यहां दिमाग में जो फोटो खींचती है, वह दृश्य की फोटो नहीं खींचती है। दृश्य के अनुभव की खींचती है। दोनों चीजों में बहुत फक्त है। आपके घर में एक छोटा बच्चा है वह आज पहली बार चलना शुरू करता है तो हम फटाफट उसकी फोटो खींचने लगते हैं। तो फोटो में तो सिर्फ यही दिखेगा ना कि वह चल रहा है। उसमें कौन-सी बड़ी बात है। लेकिन एंजॉय क्या करना था? उस मूर्मेंट को, उसकी खुशी को, अपनी खुशी को। लेकिन वो सब छोड़कर भागते हैं कैमरा की तरफ मोबाइल की तरफ। जल्दी लाओ, फोटो खींचने हैं। अगर वो बच्चा बैठ गया उन्हीं देर में तो फिर उसके डॉटेंगे, उठ-उठ फिर से चल। जीवन की जो नेचरल फीलिंग, जो विश्वसनीय फीलिंग है वो धीरे-धीरे खत्म होती गई। ये जो छोटी-छोटी चीजें हैं। जहां हम खुशी क्रियेट कर सकते थे। औरंगों को खुशी बांट सकते थे। औरंगों की खुशी को फोल कर सकते थे, उसको मिस किया। फिर कहा जीवन में खुशी नहीं है। कभी भी खुशी फोटो या रिकॉर्डिंग देख-सुनकर नहीं आ सकती। जो उस खुशी के क्षण को अनुभूति करने में आ सकती थी।

### आत्मा के पतन का कारण

जो कर्म अधिकतर लोग कर रहे हैं या सब लोग कर रहे हैं तो मुझे भी करना है। ऐसा नहीं करना। ये तो सबसे आसान तरीका होता है आत्मा की शक्ति को घटाने का। अगर कलियूग के अंत में हमें आत्मा की शक्ति को घटाना है तो उसका सिंपल तरीका है। जो सब लोग कर रहे हैं वो ही करना शुरू कर दो। अपने आप आत्मा की शक्ति घटानी शुरू हो जाएगी। साथ में कलियूग का भी अंत होता जाएगा। कलियूग के एंड पर मैजारी आत्माओं की बैटरी कम है और वो जो कम बैटरी करता है वो जो कर रहे हैं उन सब का नकल करेंगे तो आत्मा की बैटरी ऑटोमैटिकली कम हो जाएगी।

### कोई भी कर्म के पहले चेक करें रिजल्ट

जो सब लोग कर रहे हैं वो नहीं करेंगे। क्योंकि इस समय जो डायरेक्शन ऑफ एनर्जी है वो एक अलग डायरेक्शन में है। अभी बहुत फास्ट स्पीड भी है। डायरेक्शन भी डिस्चार्ज की तरफ है और स्पीड भी बहुत फास्ट है। अगर उसका नकल किया तो निश्चत है अपनी स्पीड और बैटरी दोनों फास्ट डिस्चार्ज होने वाली है। तो दूसरे जो कर रहे हैं उसको नकल करने से पहले एक क्षण रुकना है। चेक करना इस करम का रिजल्ट क्या होने वाला है? अगर वो मेरे फायदे में है तो करना, नहीं तो नहीं करना, छोड़ देना। सब कर रहे हो तो उनको करने दो। वो सब लोग जो कर रहे हैं वो कलियूग को बढ़ा रहे हैं।

### हमें इसी दुनिया को सतयुग बनाना है

हमें सतयुग बनाना है। अगर हमें सतयुग बनाना है तो कलियूग के लोगों से बिल्कुल डिफरेंट होना पड़ेगा। जब आपके आस-पास के लोग फोटो खींच रहे हों तो उस क्षण हम क्या करेंगे? मोबाइल जेब में रहने देंगे। लेकिन ये भी खाल करना है कि हमें सतयुग बनाना है। एक तो हमें कलियूग की फोटो की जरूरत नहीं है। दूसरी उस दृश्य को हम इस तरह देख रहे हैं है कि वह दृश्य सतयुग बाला हो जाए। फिर वो लोग उस दृश्य का फोटो खींचते रहे हैं। हम उस सतयुगी दृश्य को बनाएंगे। वो लोग उस दृश्य का फोटो खींचकर खुशी मनाएंगे। अब हमारा तो रोल चैंज हो गया। अगर हमें सतयुग बनाना है तो दो बातें हैं- एक है सतयुग में जाना और दूसरा है सतयुग हमें बनाना है। दोनों बातों में बहुत फक्त है।

## धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन



शिव आमंत्रण, गिलपिटास, यूएसए। ब्रह्माकुमारीज एवेकेंट पर धूमधाम से रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसने गिलपिटास के पूर्व मेयर जोस एटेल्स, मेयर कारमेन मोटानो सहित 400 से अधिक गणगांव लोगों ने भाग लिया। बीके कुसुम दीदी ने सभी को रक्षासूत्र बांधा।

### सेंट पीटर्सबर्ग में स्वतंत्रता दिवस मनाया



शिव आमंत्रण, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस। भारत के महावाणिय दूतावास में धूमधाम से 78 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह दृष्टेलास से मनाया गया। इसने ब्रह्माकुमारीज की ओस से निदेशिका बीके संतोष दीदी ने भाग लिया। उन्होंने प्रवित्रा और सुरक्षा के सूत्र